

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



द आर्यन्स में हुआ संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित पेज: 3

हिंदी सिनेमा में कभी नहीं मिला साउथ जैसा समान पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 234 | शनिवार 28 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

वडोदरा वायुसेना स्टेशन पर हमले की साजिश नाकाम, जैश का संदिग्ध गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने वडोदरा स्थित वायुसेना स्टेशन पर हमले की बड़ी साजिश को नाकाम कर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक संदिग्ध सदस्य को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने बताया कि असम के करीमगंज निवासी मोहम्मद सहरुल इस्लाम कबीरुद्दीन को हलोल-वडोदरा रोड पर एक होटल के पास से पकड़ा गया। एटीएस के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुनील जोशी ने बताया कि विभिन्न खुफिया माध्यमों से मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई। गिरफ्तार संदिग्ध के पास से एक असॉल्ट राइफल (जिसके एके-47 होने का संदेह है), 23 कारतूस, जैश-ए-मोहम्मद का एक झंडा, मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी को वडोदरा स्थित वायुसेना स्टेशन के गेट पर हमला करने का जिम्मा सौंपा गया था। उसके मोबाइल फोन से स्टेशन की तस्वीरें भी मिली हैं, जो इस साजिश की पुष्टि करती हैं। आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बगड़टोली ने रचा इतिहास : 2027 जनगणना के लिए 100 प्रतिशत स्व-गणना पूरी

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के राजस्व गांव बगड़टोली ने जनगणना-2027 के लिए स्व-गणना प्रक्रिया पूरी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जिला का पहला गांव बन गया है जिसने 100 प्रतिशत स्व-गणना पूरी कर राष्ट्रीय अभियान के लिए मिसाल कायम की है। राज्य सरकार ने इस उपलब्धि की जानकारी दी।

पिथौरागढ़ के तहसीलदार विजय गोस्वामी ने बताया कि गांव को स्व-गणना के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया गया था, लेकिन प्रगणक कलावती धरियाल ने कार्य मात्र 10 दिनों में ही संपन्न किया। गांव के कुल 18 परिवारों के 77 सदस्यों ने जनगणना के लिंक का उपयोग कर सभी 100 प्रश्नों के उत्तर सफलतापूर्वक दिए। बगड़टोली के ग्राम प्रधान राहुल कुमार ने प्रगणक धरियाल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कलावती ने उन्हें साथ लेकर ग्रामीणों को स्व-गणना के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप गांव के सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा किया। बगड़टोली की यह उपलब्धि आगामी जनगणना अभियान के लिए अन्य गांवों को भी प्रेरणा देगी।

मकोका मामले में आप के पूर्व विधायक बाल्यान को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में जमानत दे दी है। बाल्यान पर कुख्यात बदमाश कपिल सांगवान द्वारा कथित तौर पर संचालित गिरोह की गतिविधियों में मदद करने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली बाल्यान की याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्हें जमानत देने से इंकार किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तीन अगस्त को बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, बाल्यान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल आप के पूर्व विधायक हैं और करीब दो साल से जेल में बंद राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील ने इन दलीलों का विरोध कर कहा कि बाल्यान एक संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा थे, जिसके खिलाफ 15 से अधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि बाल्यान और कुख्यात बदमाश सांगवान के बीच हुई बातचीत दोनों के बीच सक्रिय आपराधिक सांठगांठ दिखाती है। अदालत ने राजनीतिक प्रतिशोध के उनके दावे को महज हवाई बातें और पूरी तरह अप्रमाणित बताया था। उच्च न्यायालय ने पुलिस द्वारा जुटाई गई सामग्री के व्यापक आकलन का हवाला देकर बाल्यान और अपराध गिरोह के अन्य सदस्यों के बीच स्पष्ट संबंध का उल्लेख किया था।

मॉस्को में 16 वर्षीय भारतीय एआई इनोवेटर से मिले रूसी राष्ट्रपति, पीएम मोदी के मेक इन इंडिया विजन की जमकर की सराहना



नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में आयोजित जर्नी टू द वर्ल्ड ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन के दौरान 16 वर्षीय भारतीय अकइनोवेटर राउल जॉन अजू से खास बातचीत की। इस संवाद के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पहल युवाओं को अपने खुद के समाधान विकसित करने और उन्हें जमीनी हकीकत में बदलने के लिए प्रेरित करती है। मेक इन इंडिया को साकार कर रहा युवा इनोवेटर का काम: पुतिन सम्मेलन के पूर्ण सत्र के समापन पर हुई इस बातचीत में पुतिन ने अजू के कार्यों को सीधे तौर पर भारतीय प्रधानमंत्री के विजन से जोड़ा। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, ह्लआपका काम प्रधानमंत्री मोदी के ह्यमेक इन इंडियाह्ल के आह्वान को साकार करने में मदद करता है, क्योंकि यह युवाओं को अपने खुद के समाधान खोजने और उन्हें लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षा में एआई के इस्तेमाल पर क्या बोले राउल जॉन अजू? बातचीत के दौरान पुतिन ने अजू से सवाल किया कि क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बढ़ता दायरा शिक्षा प्रणाली के लिए कोई खतरा पैदा कर रहा है? इसके जवाब में अजू ने तकनीक के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें पूरी तरह से एआई पर निर्भर होने के बजाय इसके साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। कैलकुलेटर का उदाहरण देते हुए अजू ने समझाया कि सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए तकनीकी उपकरणों का सहारा लेने से पहले छात्रों को बुनियादी अवधारणाओं की मजबूत समझ होनी चाहिए। उनके मुताबिक, ह्लएआई को शिक्षा प्रक्रिया में उस स्तर पर जोड़ा जाना चाहिए, जब आप

> *डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के सीईओ अमिताभ नाग ने कहा कि उनका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सूचनाओं तक पहुंचने में भाषा कभी अड़चन न बने।*

बुनियादी बातें समझते हों और यह जानते हों कि कैसे सीखना और याद रखना है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अकडेटा जुटाने और नए विचार खोजने में बेहद मददगार है, लेकिन यह हमेशा फायदेमंद ही नहीं होता, इसलिए इसका जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाना बेहद जरूरी है। बाथरूम में वीडियो बनाने से लेकर पुतिन संग सेल्फी तक का सफर इस ऐतिहासिक मुलाकात के बाद राउल जॉन अजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर राष्ट्रपति पुतिन के साथ अपनी एक सेल्फी और हाथ मिलाते हुए एक वीडियो क्लिप साझा की। अपने सफर को याद करते हुए उन्होंने भावुक पोस्ट में लिखा, ह्ल9 साल की उम्र में बाथरूम में अपना पहला वीडियो बनाने से लेकर राष्ट्रपति पुतिन के साथ सेल्फी लेने तक, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि जिंदगी मुझे यहां तक ले आएगी। अजू ने आगे लिखा कि इस सफर ने उन्हें एक बेहतर इंसान बनने में मदद की है और सम्मेलन में खुद से कहीं ज्यादा समझदार लोगों से मिलकर उन्हें एहसास हुआ कि अभी सीखने के लिए बहुत कुछ बाकी है। अपने समर्थकों का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि एक छोटे बच्चे के सपनों को सच करने के लिए सभी का धन्यवाद, वे आज भी एक जिज्ञासु बच्चे ही हैं, बस अब उनके पास सुनाने के लिए कुछ और कहानियां जुड़ गई हैं।

राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को लेकर केंद्र सरकार ने बुलाया चार दिवसीय विशेष सत्र

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग दें

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने चार दिवसीय संसद सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को इसकी घोषणा कर बताया कि इस सत्र में महत्वपूर्ण सरकारी कार्य और विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इन महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा करें और संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग दें।

आगामी सत्र 30 नवंबर और 1 दिसंबर को लोकसभा में शुरू होगा, जहां आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाया जाएगा। इसके उपरांत, वहीं महत्वपूर्ण कार्य 2 और 3 दिसंबर को राज्यसभा में प्रस्तुत किए जाएंगे। इस संबंध में केंद्र सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को विधिवत पत्र भेज दिया है।

कुछ सांसदों और मीडिया आउटलेट्स द्वारा की गई आलोचनाओं को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इसतरह के हल्के बयान नहीं दिए जाने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब भी कोई महत्वपूर्ण विधेयक या देशहित का कार्य होता है, केंद्र सरकार संसद का सत्र बुला सकती है, और यह एक स्थापित संसदीय परंपरा है। उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जहाँ पिछले सत्र को स्थगित किए बिना भी विशेष सत्र बुलाए गए हैं, यह दिखाता है कि यह संसदीय लोकतंत्र में कोई नई या असामान्य बात नहीं है। उनका मानना है कि जब केंद्र सरकार एक विशेष सत्र बुलाती है, तब इसका अर्थ ही कुछ विशेष, राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न करना होता है। केंद्रीय मंत्री ने सभी दलों के नेताओं और सांसदों से पूरे दिल से अनुरोध किया कि वे लाए जाने वाले सभी विधेयकों पर अच्छी और गहन चर्चा करें। उन्होंने कहा कि सहमति या असहमति लोकतंत्र का अभिन्न अंग है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि विशेष सत्र चलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने याद दिलाया कि देश के लोग संसद में होने वाली बहसों को सुनते हैं और भविष्य में उन्हें याद रखने वाले है। उन्होंने कहा कि संसद को सुचारु रूप से चलाना हम सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है, जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की छवि को मजबूत करती है।

हालांकि, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सत्र में पेश होने वाले विशिष्ट विधेयकों का विवरण अभी साझा नहीं किया, उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार बहुत महत्वपूर्ण कार्य लेकर आ रही है। उन्होंने सभी सांसदों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ इसमें अच्छी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि भारतीय लोकतंत्र की स्वस्थ और प्रभावी तस्वीर विश्व के सामने प्रस्तुत हो सके। रिजिजू ने साफ कहा कि सरकार नियमों के तहत ही सत्र बुला रही है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है

ऋतब्रत बनर्जी की नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति रद्द

- कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्पीकर का आदेश किया खारिज, 10 दिन में नए सिरे से निर्णय लेने का निर्देश

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने के विधानसभा अध्यक्ष के आदेश को शुक्रवार को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि 3 जून को जारी किया गया स्पीकर का आदेश कानून के प्रावधानों के अनुरूप नहीं था। हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति प्राप्त होने के 10 दिनों के भीतर दोनों नियुक्तियों पर कानून के मुताबिक नए सिरे से विचार किया जाए। अदालत के फैसले के बाद अब ऋतब्रत बनर्जी और अखरुज्जमां की नियुक्तियों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को दोबारा निर्णय लेना होगा। हाईकोर्ट ने यह फैसला तृणमूल कांग्रेस के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय की ओर से दायर याचिका पर सुनाया। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्षी खेमे के गठन और उसके बाद की गई नियुक्तियों से जुड़ा है। ऋतब्रत बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर बगावती रुख अपनाते हुए 58 विधायकों के साथ अलग गुट बनाए जाने का दावा किया था। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने 3 जून को उन्हें नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को मुख्य सचेतक नियुक्त किया था। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद इन नियुक्तियों की वैधानिक स्थिति पर विधानसभा अध्यक्ष को फिर से निर्णय लेना होगा।



ताजमहल से निकाली गई नक्काशीदार संगमरमर की पट्टिका ब्रिटेन में होगी नीलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विश्व प्रसिद्ध ताजमहल से ब्रिटिश शासन के दौरान ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी द्वारा निकाली गई एक नक्काशीदार संगमरमर की पट्टिका अगले माह ब्रिटेन में नीलाम होने जा रही है। यह आयताकार पट्टिका उन दो पट्टिकाओं में से एक है, जिन्हें कर्नल पाउनोल फिप्स ने 1816 में आगरा और उसके आसपास की इमारतों की मरम्मत के अधीक्षक के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर एकत्र किया था। इस ऐतिहासिक कलाकृति की अनुमानित कीमत 20,000 से 30,000 पाउंड (करीब 24-36 लाख भारतीय रुपये) आंकी गई है। नीलामी लायन एंड टर्नबुल नीलामीकर्ता द्वारा 9 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। यह विशेष नीलामी इस्लामिक और भारतीय कला से जुड़ी वस्तुओं को समर्पित होगी। नीलामीकर्ता की ओर से जारी विवरण के मुताबिक, इस संगमरमर की पट्टिका के साथ ताजमहल की एक पुरानी श्वेत-श्याम तस्वीर और दो महत्वपूर्ण पत्र भी संलग्न हैं। इन पत्रों में से एक कर्नल पाउनोल के पोते द्वारा छपवाया गया है, जबकि दूसरा मार्क्वेस ऑफ बाथ द्वारा हाथ से लिखा गया है, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हैं। कर्नल के बेटे के संस्मरणों के मुताबिक, उनके पिता को ये वस्तुएं ताजमहल के भूमिगत हिस्से में मिली थीं, और उन्हें लगा था कि इनका इस्तेमाल मुगलकालीन स्मारक की मरम्मत के लिए किया जाना था। कर्नल फिप्स का जन्म 1780 में इंग्लैंड के डेवोन में हुआ था। 17वीं सदी की शुरुआत से ही सैनिकों के परिवार से ताल्लुक रखने वाले फिप्स 1799 में ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल सेना में कैडेट के तौर पर शामिल हुए थे। भारत में अपने औपनिवेशिक शासन के दौरान, वह अन्य कार्यों के अलावा, ताजमहल और अन्य ऐतिहासिक इमारतों की देखभाल की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे, जो उनकी इस खोज की पृष्ठभूमि बनती है। भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल ने 1816 में कर्नल को लोअर प्रोविंसेस में इमारतों का अधीक्षक नियुक्त किया और उन्हें आगरा छोड़कर तत्कालीन कलकत्ता जाना पड़ा। वह और उनका परिवार 1823 में ब्रिटेन लौटा और फिप्स की मृत्यु 1858 में हुई। यह पट्टिका 200 से अधिक वर्षों तक उनके परिवार के संग्रह का हिस्सा बनी रही, जो अब नीलामी के लिए प्रस्तुत की गई है और एक बार फिर इसके मूल स्थान से लिए जाने के इतिहास को उजागर करेगी।

खड़गे ने बुलाई विपक्षी दलों की बैठक, गठबंधन से इतर विपक्षी दलों को भी भेजा न्यौता

-परिसीमन विधेयक को मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद कांग्रेस का आखिरी दांव

नई दिल्ली , एजेंसी । परिसीमन विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने के बाद कांग्रेस ने सरकार के संभावित कदम के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद तेज कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को विपक्षी दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाई है। बैठक सुबह 11:30 बजे नई दिल्ली स्थित खड़गे के आवास 10, राजाजी मार्ग पर होगी।

प्रस्तावित बैठक में सरकार की ओर से परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को दोबारा संसद में पेश किए जाने की स्थिति में संयुक्त रणनीति पर चर्चा की जाएगी। कांग्रेस का प्रयास है कि इस मुद्दे पर विपक्षी दलों को एक मंच पर लाकर सरकार के कदम का संसद के भीतर मजबूती से विरोध किया जाए।



बैठक के लिए 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के अलावा गठबंधन से बाहर के विपक्षी दलों को भी आमंत्रित किया गया है। इनमें द्रमुक (डीएमके), आम आदमी पार्टी (आप) और बीजू जनता दल (बीजेडी) प्रमुख हैं। इसके अलावा एनसीपी (शरद पवार) समेत अन्य विपक्षी दलों से भी समर्थन जुटाने की कोशिश की जा रही है।

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन दलों को साथ लाने की है, जो 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। पार्टी का मानना है कि यदि डीएमके, बीजेडी, आप और एनसीपी (शरद पवार) समेत अन्य दल एक साझा रणनीति पर सहमत होते हैं तो सरकार के लिए विधेयक को आगे बढ़ाना राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं, सरकार भी इस मुद्दे पर अपनी तैयारी के साथ आगे बढ़ती नजर आ रही है। बैठक में विपक्षी दलों के बीच इसी रणनीतिक स्थिति पर विचार-विमर्श होने की संभावना है।

बेंगलुरु: उपमुख्यमंत्री आवास और विधान सौध को उड़ाने की फर्जी धमकी, एक गिरफ्तार

बेंगलुरु,एजेंसी। । बेंगलुरु में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के आवास और प्रतिष्ठित विधान सौध को बम से उड़ाने की फर्जी धमकी देने के आरोप में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कार्तिक आर. के रूप में हुई है, जो ब्यादरहल्ली इलाके के बालाजीनगर का निवासी है। यह धमकी पांच नवंबर को दी गई थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने बताया कि कार्तिक ने ऑटो-रिक्शा बुकिंग ऐप के माध्यम से यह धमकी दी थी। पांच नवंबर की शाम को एक ऑटो-रिक्शा चालक को एप पर पैलेस नगर से राजराजेश्वरी नगर तक की बुकिंग मिली थी। जब चालक ने ग्राहक को लेने के लिए फोन किया, तब कथित तौर पर कार्तिक ने खुद को मुख्यमंत्री के आवास के अंदर बताया। उसने चालक को गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी को फोन देने को कहा और धमकी दी कि उसने उपमुख्यमंत्री के आवास और विधान सौध में बम लगाए हैं, जो मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने पर फट जाएंगे। पुलिसकर्मी ने तत्काल ऑटो की जांच की और मामले की गंभीरता को समझा। शुरुआत में बीमार रिश्तेदार की देखभाल में व्यस्त होने के कारण चालक तुरंत शिकायत दर्ज नहीं करा सका। हालांकि, बाद में चालक ने सात नवंबर को सदाशिवनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसी दिन आरोपी कार्तिक आर. को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(4) (आपराधिक धमकी) और 353(1)(बी) (सार्वजनिक शरारत को बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

भारत पाकिस्तान सीमा पर तैनात करेगा पांचवां एस-400 सिस्टम, वायुसेना टीम रूस रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत अपनी पश्चिमी सीमा, खासकर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने की तैयारी में जुटा है। इसी कड़ी में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) पाकिस्तान से लगी 740 किलोमीटर लंबी एलओसी पर अपना पांचवां एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने जा रही है। अगले महीने, भारतीय वायुसेना की उच्च स्तरीय टीम सिस्टम के प्री-डिस्पैच इंस्पेक्शन के लिए रूस का दौरा करेगी, जिसकी तैनाती फरवरी 2027 तक पूरी होने की उम्मीद है।

यह महत्वपूर्ण कदम पाकिस्तान और चीन द्वारा अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने की पृष्ठभूमि में उठाया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन 2027 तक पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के जे-35 लड़ाकू विमान दे सकता है। इसके जवाब में, भारत लंबी दूरी के हथियार और लोइटरिंग म्यूनिशन विकसित करने और खरीदने की योजना बना रहा है, ताकि चीन की पीएल-15 ईलंबी दूरी की मिसाइलों और एचक्यू-9बीई एयर डिफेंस सिस्टम का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना ने चीनी जे-10 लड़ाकू विमानों और स्वीडिश अवाक्स की मदद से करीब 200 किलोमीटर रेंज वाली पीएल-15 ई मिसाइलों का इस्तेमाल किया था, जो इस खतरे की गंभीरता को दिखाता है।

पाकिस्तान की सैन्य शक्ति को चीन और तुर्किये लगातार बढ़ा रहे हैं। चीन पाकिस्तान को 8 हैंगोर क्लास पनडुब्बियां बेच रहा है, जिसकी कीमत 5 अरब डॉलर से अधिक है, जिसमें से एक पनडुब्बी जून 2026 तक पाकिस्तानी नौसेना में शामिल हो चुकी है। तुर्किये पाकिस्तान को अगोस्टा-90बी पनडुब्बियों को अपग्रेड करने के साथ लंबी दूरी के कामिकेज ड्रोन भी उपलब्ध करा रहा है। इसके अतिरिक्त, चीन पाकिस्तान को मिसाइल दागने में सक्षम विंग लूंग-2 ड्रोन पहले ही दे चुका है। अमेरिका भी पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने में सहायता कर रहा है, जबकि सऊदी अरब पाकिस्तान को आर्थिक मदद प्रदान कर रहा है। एस-400 ट्रायम्फ, रूस द्वारा विकसित एक बेहद उन्नत मिसाइल सिस्टम है, जो कि 2007 में लांच किया गया था। यह फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों सहित हवा में कई तरह के खतरों को मार गिराने में सक्षम है, और दुनिया के सबसे आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम में से एक माना जाता है।

भारत के पास वर्तमान में एस-400 की तीन ऑपरेशनल स्क्वाड्रन तैनात हैं। पहली स्क्वाड्रन 2021 में पंजाब में, दूसरी जुलाई 2022 में सिक्किम (चीन सीमा पर) और तीसरी फरवरी 2023 में राजस्थान-गुजरात या पंजाब-राजस्थान सीमा पर तैनात की गई थी, जो पश्चिमी सीमा की सुरक्षा मजबूत करती है। चौथी स्क्वाड्रन, जिसकी पहली खेप जून 2026 में मिली, असम में तैनात है और अरुणाचल प्रदेश में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा करती है। प्रत्येक स्क्वाड्रन 256 मिसाइलों से लैस होती है।

एस-400 सिस्टम की क्षमता का प्रमाण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिला था, जब भारतीय वायुसेना के एस-400 ने पाकिस्तान के अंदर 314 किलोमीटर की दूरी पर उड़ रहे एक पाकिस्तानी सैन्य विमान को सफलतापूर्वक मार गिराया था। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी एयरस्पेस में सैन्य और नागरिक उड़ानों के एकसाथ होने के बावजूद, वायुसेना ने अपने विशेष सिस्टम से सैन्य विमान की सटीक पहचान की। एस-400 ने खतरे को ट्रैक किया और लंबी दूरी की जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल को निर्देशित करते हुए पाकिस्तानी विमान पर अचूक निशाना लगाया।

संपादकीय

अपने घर में डर

यह एक वैश्विक आंकड़ा है कि दुनिया में हर एक घंटे में पांच महिलाओं या लड़कियों की हत्या उनके जीवन साथी या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा कर दी जाती है। वर्ष 2025 की यूएन वूमेन- यूएनओडीसी रिपोर्ट का यह चौंकाने वाला खुलासा, हमारा सामना एक कठोर यथार्थ से कराता है। यह सत्य कि दुनिया में लाखों महिलाओं की जान के लिये सबसे बड़ा खतरा अनजान लोगों से नहीं, बल्कि उन लोगों से है, जिनके साथ वे पारिवारिक संस्था के भीतर रहती हैं। जिन पर अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा करती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि बीते वर्ष दुनिया भर में इरादतन मारी गई करीब 78 हजार महिलाओं व लड़कियों में से 47 हजार की हत्या उनके पार्टनर या रिश्तेदारों ने की। यह दुखद ही है कि जो घर महिलाओं के लिये सबसे ज्यादा सुरक्षित स्थान माना जाता है, वही आज उसके लिये खतरनाक जगह बन रही है। हालांकि, भारत में ऐसी भयावह स्थिति नहीं है,लेकिन आंकड़े कुछ चिंताजनक संकेत जरूर दे रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार देश में 18 से 49 आयुवर्ग वाली 29 फीसदी विवाहित महिलाओं ने अपने पति द्वारा की जाने वाली हिंसा का त्रास झेला। वहीं यूएन वुमेन के आंकड़े बताते हैं कि शारीरिक या यौन हिंसा की शिकार महिलाओं में सिर्फ 14 फीसदी ने ही मदद की गुहार लगायी। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि इसमें सिर्फ 5.6 फीसदी महिलाओं ने ही मदद हेतु पुलिस से संपर्क किया। दरअसल, परंपरागत भारतीय घरों में महिलाओं की प्राथमिकता परिवार बचाना होती है। सामाजिक बदनामी, आर्थिक असुरक्षा, बदले की कार्रवाई का डर और शादी को टूटने से बचाने के भय के चलते महिलाएं चुप रहने को बाध्य हो जाती हैं। इसके बावजूद हिंसा की रिपोर्ट न करने के पीछे की हिचकिचाहट को हिंसा न होने का संकेत नहीं मान लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं है कि घरेलू हिंसा रोकने, पति और रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता और दहेज से जुड़े दुर्व्यवहार पर लगाम के लिये देश में पर्याप्त कानून हैं। लेकिन जब तक इन कानूनों को सख्ती से लागू नहीं किया जाता, तब तक ये कानून महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते। इस तरह के मामलों में मायके वालों से भी संवेदनशील और सतर्क व्यवहार अपेक्षित है। वास्तव में पुलिस को बार-बार मिलने वाली शिकायतों व धमकियों और दबाव डालने वाले व्यवहार को केवल सामान्य पारिवारिक झगड़े के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सही मायने में इसे गंभीर चेतावनी संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रोटेक्शन ऑर्डर को कायदे से लागू किया जाना जरूरी है। इसके अलावा परिवार की संस्था के भीतर सुरक्षित महसूस न करने वाली महिलाओं के लिये वैकल्पिक आश्रय स्थल की भी व्यवस्था होनी चाहिए। उनके लिये सहजता से कानूनी मदद का प्रावधान होना आवश्यक है। किसी मानसिक आघात से उबरने के लिये काउंसलिंग और तात्कालिक आर्थिक सहायता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिससे वे बिना किसी आर्थिक तंगी के या बेसहारा हुए, हिंसक रिश्तों से बाहर निकल सकें। यानी सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। वास्तव में प्राथमिकता होनी चाहिए कि किसी महिला के जीवन का अंत न हो। वहीं परिवारों, समुदायों और संस्थाओं को हिंसा को सामान्य बात मानना बंद करना होगा। दूसरी ओर महिलाओं पर चुप रहने के लिये दबाव डालना भी बंद करना होगा। निस्संदेह, पुलिस, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सहायता प्रदान करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से किसी भी महिला के जीवन पर आसन्न संकट को जानलेवा बनने से पहले ही पहचाना जा सकता है।

संस्कृति रोकेगी प्रदूषण

दिवाली से पहले ही दिल्ली का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंचना गंभीर चिंता का विषय है। कल्पना करना कठिन नहीं है कि दिवाली पर पटाखे छोड़े जाने के बाद क्या स्थिति होगी? कई स्थानों पर एक्यूआई का चार सौ पार कर जाना हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भयावह संकट ही है। इन हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करने के बावजूद कहा है कि पुराने उपाय नाकाफी हैं। हम बचाव की बात तब कर रहे हैं जब एक्यूआई चार सौ पार कर गया है। कोर्ट ने बार-बार कहा कि इस प्रदूषण को कम करने के लिये सांस्कृतिक बदलाव बड़ी भूमिका निभा सकता है। हम जश्न मनाएं लेकिन पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ। इसके लिये लोगों को जागरूक करने की जरूरत होगी। अदालत में चिंता जतायी गई कि दिवाली के पास वाहनों के बंपर-टू-बंपर चलने, जाम लगने व बढ़ती आवाजाही से प्रदूषण की समस्या सामने आती हैं। उसके मूल में हमारे दिखावे की संस्कृति भी है। ये जो गिफ्ट देने की संस्कृति है, उसे हमने स्टेटस सिंबल बना दिया है। जिससे सड़कों में अप्रत्याशित रूप से वाहनों की आवाजाही होती है। इस प्रवृत्ति को रोकने और सांस्कृतिक बदलाव से ही समस्या का समाधान संभव है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण के मद्देनजर अदालती आदेश है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई जिले शामिल हैं, में सात से आठ नवंबर को सुबह छह से सात और रात को आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे छोड़ने की अनुमति होगी। साथ ही अस्पतालों- स्कूलों के तीन सौ मीटर दायरे में रोक लगाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इतने ईमानदार हैं कि इस अवधि में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाएंगे? क्या दुकानदार ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचेंगे? अदालत में बताया गया कि दिल्ली में प्रदूषण की ऐसी हालत है कि हवा में सांस लेना तीस सिगरेट पीने के बराबर है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

संतुलित मस्तिष्क के लिये आवश्यक है आवेगों पर नियन्त्रण



कांतिलाल मांडोत

व्यवस्थित एवं समुन्नत शील जीवन का निर्माण संतुलित मस्तिष्क से ही संभव है। संतुलित मस्तिष्क आवेगों पर नियंन्त्रण कर के प्राप्त किया जा सकता है। व्यक्ति स्वभावतः अपराधी नहीं होता किन्तु आवेग उसे अपराध में झोंक देते हैं। आवेग एक मानसिक आंधी है, वह मानव के मस्तिष्क को असंतुलित ही नहीं करती कई बार तो उसे विचार शून्य तक बना देती है। आवेग की आंधी में मस्तिष्क का अस्तित्व ही विलुप्त सा हो जाता है ।अनेक दुष्कर्म व्यक्ति के द्वारा उसी अवस्था में होते है।मस्तिष्क व्यक्ति के जीवन और चरित्र को संतुलित करता है। वही जब असंतुलित हो जाता है तो उस समय मानव क्या कर बैठे कुछ भी नहीं कहा जा सकता।अपने आवेगों को नियन्त्रित करना सबसे बड़ी साधना है, सबसे बड़ा तप है।आवेगों का जन्म बाह्य परिस्थितियो से जुड़ कर होता है। अतः बहुत उचित होगा कि हम अपने बाह्य वातावरण को इतना सुलझा हुआ रखे कि आवेग पैदा होने जैसा कुछ हो ही नहीं किन्तु इतना सब कुछ कर लेने पर भी इतना तो होगा ही कि सारे व्यक्ति जो अपने से जुड़े है वे अपनी तरह ही सोचेंगे, यह अवश्यक नहीं। अतःपरिस्थितियों में प्रतिकूलता तो बनी ही रहने वाली है। परिस्थिति की प्रतिकूलताओं को सहर्ष स्वीकार कर अपने आवेगों को दबाए रखना और मस्तिष्क के संतुलन को सुरक्षित रखना सच्चा और अच्छा जीवन जीने की कला है। पड़ौसी देश ने युद्ध भारत को महा युद्ध के लिये उकसाने में कोई कमी नहीं रखी किन्तु भारतीय सेना और संचालकों ने आवेगों से बचकर अपने संतुलन को बनाये रखा और देशको व्यापक युद्ध से बचा लिया जिसकी सारे विश्व में प्रशंसा हुई है। शक्ति शाली होकर भी संतुलित रहना एक महान कार्य है। भारत निश्चित ही अपनी महानता के अनुरुप सहनशीलता और विवेक पूर्वक आगे बढ़ा । धैर्य और संतुलन ने उसे सफलता के शिखर पर समारुढ़ कर दिया । आज विश्व में चारों तरफ आवेग पूर्ण वातावरण व्याप्त हो रहा है। व्यक्ति असंतुलित जी रहा है। किसका कब क्या हो जाए और कब कौन क्या कर बैठे, कुछ कहा नहीं जा सकता ।ऐसे विषम वातावरण में धर्म ही है जो समता और संतुलन की दिशा प्रदान करता है। कहने को आज व्यक्ति स्वतन्त्र है, यदि बहुत गहरे अर्थों में देखा जाए तो मानव में स्वतन्त्रता का कहीं कोई अंश आपको नहीं मिलेगा। विचार और व्यवहार दोनों स्तर पर आज भी व्यक्ति बहुत कुछ परतन्त्र है ।जहां तक भाव जगत का प्रश्न है व्यक्ति वहां आवेगों के अधीन चलता है।

बल्ले से निकला वैभव, क्रिकेट के आकाश में नया सूर्य



ललित गर्ग

क्रिकेट के इतिहास में कुछ दिन केवल कैलेंडर की तारीख बनकर नहीं आते, वे इतिहास के पन्नों पर अमिट हस्ताक्षर कर जाते हैं। मंगलवार का दिन भारतीय क्रिकेट के लिए ऐसा ही एक मंगलमय दिवस बनकर सामने आया, जब महज पंद्रह वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने दोहा में अपने बल्ले से ऐसा सूर्य उदय किया, जिसकी रोशनी ने पूरी क्रिकेट दुनिया को चकाचौंध कर दिया। जिस उम्र में किशोर सपनों की उड़ान भरना शुरू करते हैं, उस उम्र में वैभव ने क्रिकेट के आकाश में अपने नाम का ऐसा ध्वज फहरा दिया, जिसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। वैभव ने केवल 52 गेंदों में दोहरा शतक जड़कर क्रिकेट जगत को स्तब्ध कर दिया। 28 गेंदों में शतक, महज 40 गेंदों में 150 रन और एक पारी में 28 छक्के-ये आंकड़े किसी वीडियो गेम की काल्पनिक स्कोरशीट जैसे लगते हैं, लेकिन वैभव ने इन्हें हकीकत की पिच पर उतार दिया। सूर्यवंशी की इस आतिशी पारी से दुनिया में खलबली मच गयी है, देश और दुनिया में बड़ी-बड़ी खबरों को दबा दिया है इस खबर ने। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हर जबान पर है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? 204 रनों की उनकी तूफानी पारी में 168 रन केवल छक्कों से आए। बल्ले से निकली हर गेंद मानो सीमा रेखा के पार जाकर एक नया इतिहास लिख रही थी। यह केवल रन बनाने की पारी नहीं थी, बल्कि क्रिकेट की सीमाओं को चुनौती देने वाली एक अद्भुत बल्लेबाजी थी।

भारतीय क्रिकेट ने समय-समय पर ऐसी प्रतिभाओं को जन्म दिया है, जिन्होंने दुनिया को भारतीय क्रिकेट का लोहा मनवाया। सुनील गावस्कर की तकनीक, कपिल देव का साहस, सचिन तेंदुलकर की विलक्षणता, सौरव गांगुली का आत्मविश्वास, महेंद्र सिंह धोनी की निर्णायक क्षमता और विराट कोहली की आक्रामक निरंतरता-इन सबने भारतीय क्रिकेट को गौरव दिया। लेकिन वैभव सूर्यवंशी की कहानी इसलिए अलग है क्योंकि यह कहानी अभी किशोरावस्था में ही असाधारण उपलब्धियों का शंखनाद कर रही है। वैभव का बल्ला इस समय केवल गेंद को नहीं पीट रहा, बल्कि क्रिकेट की पुरानी धारणाओं को भी चुनौती दे रहा है और अपने कीर्तिमान से नया इतिहास बना रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास है, निर्भीकता है, आक्रामकता है और सबसे बढ़कर एक स्वाभाविक लय है। वे गेंदबाज के नाम, प्रतिष्ठा या अनुभव से भयभीत होते दिखाई नहीं देते। उनकी बल्लेबाजी देखकर लगता है कि गेंद उनके लिए चुनौती नहीं, अवसर है और सीमा रेखा उनके लिए कोई दीवार नहीं, बल्कि एक आमंत्रण है।

वैभव सूर्यवंशी की उपलब्धियों की फेहरिस्त भी कम चमत्कारी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में दस मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन और आईपीएल की 23 पारियों में 228 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 1028 रन उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण हैं। आईपीएल के 2026 सत्र में 72 छक्के लगाकर उन्होंने एक सीजन में सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा और ऑरेंज कैप हासिल की। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धियां निश्चित रूप से सामान्य प्रतिभा की निशानी नहीं हैं। दोहा की इस पारी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि वैभव को भारतीय वनडे और टी-20 टीम में अवसर कब मिलेगा। यह स्वाभाविक मांग है कि ऐसी विलक्षण प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर आजमाया जाए, लेकिन इसके साथ धैर्य और विवेक भी जरूरी है। प्रतिभा को अवसर चाहिए, पर अवसर के साथ संरक्षण, मार्गदर्शन और मानसिक तैयारी भी उतनी ही आवश्यक है। क्रिकेट केवल बल्ले की ताकत का खेल नहीं, बल्कि परिस्थितियों, दबाव, रणनीति और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है।

सोलह वर्ष की उम्र में सचिन तेंदुलकर को पाकिस्तान के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारने का उदाहरण आज भी प्रेरणा देता है। सचिन ने उस अवसर को इतिहास में बदल दिया। वैभव के सामने भी संभावनाओं का विराट आकाश है। उन्हें अवसर अवश्य मिलने चाहिए, लेकिन उनके क्रिकेटीय विकास की गति और दिशा को समझते हुए। भारतीय क्रिकेट प्रशासन के लिए यह एक ऐसी प्रतिभा है, जिसे जल्दबाजी में दबाव के हवाले करने के बजाय सही ढंग से तराशने की जरूरत है। आज दुनिया के गेंदबाज भी वैभव की बल्लेबाजी को ध्यान से पढ़ रहे होंगे। उनकी कमजोरियां तलाशने, उनकी हिटिंग पावर को रोकने और उनके आक्रामक तेवरों पर अंकुश लगाने की रणनीतियां बन रही होंगी। यही चुनौती वैभव के लिए अगला पड़ाव है। उन्हें अपनी तकनीक में विविधता, शॉट चयन में परिपक्वता और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करने की क्षमता विकसित करनी होगी। क्योंकि क्रिकेट में असली महानता केवल रिकॉर्ड बनाने में नहीं, बल्कि रिकॉर्ड बनने के बाद भी निरंतर ऊंचाई पर टिके रहने में है। साथ ही कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें, उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। हर दिन वे अपने खेल के लिये जागरूक रहे एवं आने वाली चुनौतियां के लिये स्वयं को सक्षम बनाये। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे। उनकी हिटिंग पावर को रोकने की व्यूह रचना की जा रही होगी। फिर भी मंगलवार की वह पारी अपने आप में एक युगांतकारी चमत्कृत करने वाली घटना है। जिस उम्र में अधिकांश खिलाड़ी बड़े मंच का सपना देखते हैं, उस उम्र में वैभव ने मंच को ही अपने नाम कर लिया। उनके बल्ले से निकले छक्के केवल गेंदों को सीमा के पार नहीं ले गए, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी के सपनों को भी आसमान दे दिया। सूर्यवंशी का यह सूर्य अभी अस्त होने के लिए नहीं, निरंतर उदित होने के लिए आया है। उनके बल्ले से निकलती रनों की रोशनी भारतीय क्रिकेट के भविष्य को आलोकित करने की क्षमता रखती है। निस्संदेह, यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लिखा गया एक स्वर्णिम पृष्ठ है। आज पूरे क्रिकेट जगत को इस किशोर प्रतिभा को सलाम करना चाहिए और कहना चाहिए-वैभव, तुम्हारे बल्ले का यह सूर्य जितना चमक रहा है, उतनी ही उज्ज्वल तुम्हारी क्रिकेट यात्रा की संभावनाएं हैं। आने वाला समय तय करेगा कि यह पारी केवल एक रिकॉर्ड बनकर रह जाती है या एक ऐसे स्वर्णिम क्रिकेट-ग्रंथ की पहली पंक्ति बनती है, जिसकी गाथा आने वाली पीढ़ियां गर्व से पढ़ेंगी।

भोजन पैकेट पर चेतावनी : स्वास्थ्य अधिकार की बड़ी जीत



क्या किसी खाद्य पदार्थ का आकर्षक पैकेट उसकी गुणवत्ता और स्वास्थ्य के लिए उपयोगिता की गारंटी हो सकता है? क्या चमकदार विज्ञापनों, लुभावने दावों और स्वाद के पीछे छिपी चीनी, नमक तथा वसा की अधिक मात्रा के बारे में उपभोक्ता को पर्याप्त जानकारी मिलती है? बाजार में उपलब्ध पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की दुनिया में ये सवाल अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारत में खानपान की बदलती आदतों, तेजी से बढ़ते प्रसंस्कृत खाद्य बाजार और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बीच सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है।

26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने की ओर स्पष्ट चेतावनी लेबल लगाने की व्यवस्था प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि जिन खाद्य पदार्थों में चीनी, नमक या वसा की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक होगी, उनके पैकेट पर अलग-अलग षट्कोणीय चेतावनी चिह्न लगाने होंगे। प्रत्येक चिह्न में संबंधित पोषक तत्व का चित्र और 'हाई शुगर', 'हाई साल्ट' या 'हाई फैट' लिखा होना चाहिए। यदि किसी उत्पाद में एक से अधिक तत्वों की मात्रा अधिक है, तो प्रत्येक के लिए अलग चेतावनी देनी होगी। एक ही चिह्न में सभी चेतावनियों को समेट देना पर्याप्त नहीं होगा।

इस फैसले का महत्व केवल खाद्य पदार्थों के पैकेट पर कुछ शब्द छापने तक सीमित नहीं है। यह उपभोक्ता के जानने के अधिकार, स्वास्थ्य के अधिकार और खाद्य कंपनियों की जवाबदेही से जुड़ा प्रश्न है। बाजार में खरीदारी करते समय उपभोक्ता को यह जानने का अवसर मिलना चाहिए कि वह जिस खाद्य पदार्थ को खरीद रहा है, उसमें स्वास्थ्य के लिए चिंताजनक तत्व कितनी मात्रा में मौजूद हैं। यह जानकारी किसी कानूनी औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि आसानी से समझ में आने वाली भाषा और संकेतों में उपलब्ध होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश '3एस एंड अवर हेल्थ सोसायटी' की ओर से दायर जनहित याचिका पर आया है। इस संगठन ने पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने की ओर पोषण संबंधी चेतावनी लगाने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने एफएसएसएआई की प्रस्तावित व्यवस्था में कई कमियां रेखांकित की थीं। प्राधिकरण ने पहले सुझाव दिया था कि शुरुआती चरण में उन उत्पादों पर चेतावनी लगाई जाए जिनमें दो या अधिक चिंताजनक पोषक तत्व निर्धारित सीमा से ज्यादा हों। बाद में इस व्यवस्था का विस्तार करके किसी एक तत्व की अधिकता वाले उत्पादों को भी इसमें शामिल किया जाए। अदालत ने इस दो चरणों वाली व्यवस्था पर सवाल उठाया।

अदालत का तर्क था कि यदि किसी उत्पाद में चीनी की मात्रा अपने आप में अधिक है, तो उसे चेतावनी के दायरे में लाने के लिए नमक या वसा की अधिकता की प्रतीक्षा क्यों की जाए? नमक की अधिकता भी स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है और संतृप्त वसा की अधिकता भी। किसी एक तत्व की अधिकता को नजरअंदाज करना उपभोक्ता के हितों के विरुद्ध होगा। इसीलिए अदालत ने एकल चरण वाली व्यवस्था पर जोर दिया, जिसके तहत किसी एक चिंताजनक तत्व की निर्धारित सीमा पार होने पर भी संबंधित चेतावनी लगानी होगी।

फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि चीनी और वसा की मात्रा तय करने के लिए केवल बाहर से मिलाई गई चीनी या वसा को आधार नहीं बनाया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को निर्देश दिया कि चेतावनी के लिए चीनी के मामले में कुल शर्करा और वसा के मामले में संतृप्त वसा को ध्यान में रखा जाए। नमक भी चिंताजनक पोषक तत्वों में शामिल रहेगा। इसका अर्थ है कि किसी खाद्य पदार्थ में मौजूद कुल शर्करा और संतृप्त वसा की वास्तविक मात्रा के आधार पर वैज्ञानिक मानक तैयार किए जाएं। केवल यह बताना पर्याप्त नहीं होगा कि निर्माण के दौरान कितनी अतिरिक्त चीनी या वसा मिलाई गई है।

अदालत ने एफएसएसएआई को इन पोषक तत्वों की निर्धारित सीमाओं पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया है। सीमाएं इतनी कम नहीं होनी चाहिए कि लगभग हर उत्पाद पर चेतावनी लगने लगे और इतनी अधिक भी नहीं कि वास्तव में जोखिम वाले उत्पाद इसके दायरे से बाहर रह जाएं। यदि हर पैकेट पर चेतावनी होगी तो उपभोक्ता धीरे-धीरे उसके प्रति संवेदनहीन हो सकता है। दूसरी ओर, सीमा बहुत ऊंची रखने से चेतावनी व्यवस्था का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए वैज्ञानिक साक्ष्यों और भारतीय आबादी की पोषण संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर संतुलित मानक तय करना जरूरी है।

इस निर्णय के पीछे सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चिंता है। भारत में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय संबंधी बीमारियां बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। खानपान में अत्यधिक चीनी, नमक और संतृप्त वसा की मौजूदगी इन समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकती है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों की खाद्य आदतें चिंता का विषय हैं। बाजार में रंगीन पैकेटों में मिलने वाले चिप्स, बिस्कुट, मीठे पेय, चॉकलेट और तैयार नाश्ते बच्चों को आकर्षित करते हैं। विज्ञापन भी उनकी पसंद को प्रभावित करते हैं। कई बार माता-पिता उत्पाद के आकर्षक नाम और पैकेट पर लिखे स्वास्थ्य संबंधी दावों से प्रभावित होकर उन्हें बेहतर विकल्प समझ लेते हैं।

यहीं चेतावनी लेबल की उपयोगिता सामने आती है। पैकेट के पीछे छपी पोषण संबंधी तालिका में ऊर्जा, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, चीनी और वसा की जानकारी होती है, लेकिन सामान्य उपभोक्ता के लिए उसका अर्थ समझना आसान नहीं होता। खरीदारी के समय हर व्यक्ति के पास आंकड़ों का विश्लेषण करने का समय और तकनीकी ज्ञान भी नहीं होता। सामने की ओर स्पष्ट चेतावनी इस कठिनाई को कम कर सकती है। लाल षट्कोणीय चिह्न और उसके साथ संबंधित चित्र तथा शब्द उपभोक्ता को तुरंत सावधान कर सकते हैं। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी होगी जो पोषण संबंधी जानकारी पढ़ने या समझने में कठिनाई महसूस करते हैं।

भारत जैसे भाषाई और सामाजिक विविधता वाले देश में चित्रात्मक चेतावनियों का महत्व और बढ़ जाता है। केवल अंग्रेजी में लिखी जानकारी हर उपभोक्ता तक समान रूप से नहीं पहुंच सकती। चित्र और सरल शब्द मिलकर व्यापक आबादी तक संदेश पहुंचा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्येक चेतावनी चिह्न को अलग रखने और उसे स्पष्ट रूप से पढ़े जा सकने योग्य बनाने पर जोर दिया है। अदालत के निर्देश के अनुसार प्रत्येक षट्कोणीय चिह्न पैकेट के मुख्य प्रदर्शन क्षेत्र का लगभग चार से पांच प्रतिशत स्थान घेरेगा। अक्षरों का आकार भी ऐसा होना चाहिए कि सामान्य परिस्थितियों में खरीदारी के समय चेतावनी आसानी से पढ़ी जा सके।

इस फैसले का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष खाद्य उद्योग की जवाबदेही है। लंबे समय से खाद्य कंपनियां अपने उत्पादों को स्वाद, सुविधा और आकर्षक पैकेजिंग के आधार पर बेचती रही हैं। विज्ञापनों में कई बार उत्पादों को ऊर्जा, सक्रियता और खुशहाली से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता को उत्पाद की वास्तविक पोषण स्थिति बताने की जिम्मेदारी भी कंपनियों की है। किसी खाद्य पदार्थ को बाजार में बेचने की अनुमति मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं है कि उसका नियमित और अधिक मात्रा में सेवन स्वास्थ्य के लिए उचित है।

वैश्विक स्तर पर भी इस विषय पर बहस होती रही है। चिली और मेक्सिको जैसे देशों ने अधिक चीनी, नमक और वसा वाले खाद्य पदार्थों की पहचान आसान बनाने के लिए सामने की ओर चेतावनी लेबल की व्यवस्था अपनाई है। भारत में भी इस दिशा में लंबे समय से मांग उठती रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संदर्भ में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दोहरे मानदंडों पर भी चिंता जताई। यदि कंपनियां दूसरे देशों में उपभोक्ताओं को स्पष्ट चेतावनी देने वाली व्यवस्था स्वीकार करती हैं, तो भारत में वैसी ही व्यवस्था का विरोध क्यों होना चाहिए? भारतीय उपभोक्ताओं को भी उतनी ही सुरक्षा और जानकारी मिलनी चाहिए जितनी दूसरे देशों के नागरिकों को मिलती है।

हालांकि, केवल चेतावनी चिह्न लगा देना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए एफएसएसएआई को पोषक तत्वों की सीमा, चिह्नों के आकार, रंग, स्थान और अक्षरों की स्पष्टता के संबंध में वैज्ञानिक तथा व्यावहारिक मानक तय करने होंगे। कंपनियों को नियमों का पालन करने के लिए समय देना आवश्यक हो सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया अनिश्चितकाल तक नहीं खिंचनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मसौदा नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया के लिए लगभग चार महीने की समयसीमा स्वीकार की है। नियमों की अधिसूचना के बाद खाद्य कारोबार से जुड़ी कंपनियों को अनुपालन के लिए एक वर्ष का संक्रमणकालीन समय देने के प्रस्ताव पर भी विचार हुआ है। अदालत ने मामले को दस सप्ताह बाद फिर सूचीबद्ध करने और प्रगति की जानकारी देने को कहा है।

एक अन्य चिंता यह है कि यदि कंपनियां चीनी, नमक और वसा की मात्रा कम करने के लिए उनके स्थान पर कृत्रिम मिठास, परिरक्षक और अन्य रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक इस्तेमाल करने लगें तो समस्या का नया रूप सामने आ सकता है। इसलिए नियमन केवल तीन पोषक तत्वों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले विकल्पों और अतिरिक्त रासायनिक पदार्थों की सुरक्षा पर भी निगरानी जरूरी है। कंपनियों को केवल चेतावनी से बचने के लिए एक जोखिमपूर्ण तत्व की जगह दूसरा संदिग्ध तत्व इस्तेमाल करने की छूट नहीं मिलनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों में पोषण संबंधी साक्षरता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया है। स्कूलों के पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव करने के साथ कार्यशालाओं, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से बच्चों को स्वस्थ खानपान की समझ देने की जरूरत बताई गई है। यह पहल दूरगामी महत्व रखती है। बच्चों को केवल यह बताना पर्याप्त नहीं है कि कौन-सा भोजन अच्छा है और कौन-सा खराब। उन्हें यह भी सिखाना होगा कि पैकेट पर लिखी जानकारी कैसे पढ़ें, पोषण संबंधी दावों का अर्थ कैसे समझें और विज्ञापन तथा वास्तविक खाद्य गुणवत्ता में अंतर कैसे पहचानें।

खाद्य सुरक्षा का सवाल केवल शहरी मध्यमवर्ग तक सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे कस्बों और निम्न आय वाले परिवारों में भी पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की पहुंच बढ़ रही है। कम कीमत और आसानी से उपलब्ध होने के कारण इनका इस्तेमाल बढ़ा है। दूसरी ओर, हर व्यक्ति के पास पौष्टिक भोजन खरीदने की समान आर्थिक क्षमता नहीं है। इसलिए चेतावनी लेबल के साथ सस्ती और पौष्टिक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनबाड़ी, मध्याह्न भोजन और विद्यालयी पोषण कार्यक्रमों को भी पोषण संबंधी वैज्ञानिक मानकों से जोड़ना होगा।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वास्थ्य को केवल व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी मानकर सरकार और बाजार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। स्वस्थ भोजन चुनना उपभोक्ता का अधिकार है, लेकिन सही जानकारी उपलब्ध कराना सरकार और खाद्य उद्योग का दायित्व है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन के अधिकार को व्यापक अर्थ देता है, जिसमें स्वास्थ्य का अधिकार भी शामिल है। वहीं अनुच्छेद 47 राज्य को पोषण स्तर और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधारने की जिम्मेदारी सौंपता है। इसलिए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनके बारे में सही जानकारी सुनिश्चित करना महज प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व भी है।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सार्वजनिक स्वास्थ्य को बाजार के व्यावसायिक हितों से ऊपर रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चेतावनी लेबल किसी उत्पाद पर प्रतिबंध नहीं है और न ही उपभोक्ता की पसंद पर नियंत्रण। यह उसे सही जानकारी देकर स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाने का माध्यम है। अब असली परीक्षा केंद्र सरकार और एफएसएसएआई की है। क्या वे समयबद्ध तरीके से वैज्ञानिक और प्रभावी नियम लागू कर पाएंगे? क्या खाद्य कंपनियों को बिना किसी भेदभाव के उनका पालन करना होगा? क्या बच्चों को स्वस्थ खानपान की व्यावहारिक शिक्षा मिलेगी?

खाद्य पदार्थों का बाजार नागरिकों के स्वास्थ्य की कीमत पर मुनाफा कमाने का माध्यम नहीं बन सकता। उपभोक्ता को यह जानने का अधिकार है कि उसके भोजन में क्या है। स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है, जब भोजन केवल स्वाद और व्यापार का विषय न रहकर पोषण, सुरक्षा और नागरिक अधिकार का प्रश्न भी बने। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की वास्तविक सफलता इ

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

हसनपुर क्षेत्र में बाइक सवार दंपती को कैंटर ने मारी टक्कर,महिला की मौत,पति घायल

साली की निकाह में शामिल होने जा रहे थे दंपति, हाजमपुर गांव के निकट हुआ हादसा





हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रहरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की जान चली गई, जबकि उनके पति घायल हो गए। दोनों पति-पत्नी अपनी साली के निकाह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक कैंटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक हसनपुर नगर के लाल मस्जिद मोहल्ला निवासी अशफाक अपनी 38 वर्षीय पत्नी रोशन जहां के साथ रहरा स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे। उनकी साली रेशमा का शुक्रवार को निकाह होना था। दंपती हसनपुर-रहरा मार्ग पर हाकमपुर गांव के नजदीक पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने एंबुलेंस की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद रोशन जहां की हालत देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं, अशफाक को मामूली चोटें आई हैं।सूचना मिलने पर रहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कैंटर को अपने कब्जे में ले लिया। हादसे के बाद चालक मौके से भाग निकला। थानाध्यक्ष अमित कुमार तोमर ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की शिकायत मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।रोशन जहां अपने पीछे तीन बेटे फैजान (20), नोमान (18), आयान (15) और 13 वर्षीय बेटी निदा को छोड़ गई हैं। महिला की मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है।

मंडी धनौरा में स्वास्थ्य विभाग ने 44 बच्चों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

नगर के कन्या प्राथमिक विद्यालय में लगाया गया शिविर, बदलते मौसम में स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा के कन्या प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर 44 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सकों ने बच्चों को बदलते मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव और स्वस्थ रहने के तरीके बताए। बता दें कि इस दौरान डॉ. कुलदीप शर्मा ने बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता अपनाने, समय-समय पर हाथ साफ करने और संतुलित व पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता और खानपान का ध्यान रखने से कई तरह के संक्रमण से बचा जा सकता है। इसके अलावा डॉ. अनामिका चौधरी ने बच्चों और विद्यालय के कर्मचारियों को मौसम में आ रहे बदलाव और सर्दी के मौसम की शुरूआत को लेकर सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस दौरान सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार और त्वचा संबंधी परेशानियां होने की आशंका रहती है।चिकित्सकों ने बच्चों को गर्म कपड़े पहनने, ठंडी हवाओं से बचने और ठंडे खाद्य पदार्थों के सेवन में सावधानी बरतने की सलाह दी। साथ ही किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर चिकित्सक से परामर्श लेने की बात कही।शिविर के दौरान बच्चों के सामान्य स्वास्थ्य के साथ आंख, कान, गले और पोषण संबंधी स्थिति का भी परीक्षण किया गया। जिन बच्चों में मौसमी बीमारी के लक्षण पाए गए या जिन्हें विशेष देखभाल की आवश्यकता थी, उन्हें जरूरी सुझाव दिए गए।
इस मौके पर डॉ. मोहित विश्नोई, मास्टर गौरव देवल, शिक्षिका नीमा त्यागी, बेबी सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम और विद्यालय का अन्य स्टाफ मौजूद रहा। विद्यालय के कर्मचारियों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का धन्यवाद किया और बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन कराने का भरोसा दिलाया।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण, गंगा एवं पर्यावरण समितियों की संयुक्त बैठक संपन्न



अमरोहा (सब का सपना):- जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति, अमरोहा की संयुक्त बैठक मुख्य विकास अधिकारी उमेश चंद्र तिवारी की अध्यक्षता में तथा अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में विगत वर्षों में कराए गए वृक्षारोपण के अनुरक्षण एवं संरक्षण, गंगा एवं जलस्त्रोतों की स्वच्छता, ड्रेनों एवं अपशिष्ट जल के समुचित प्रबंधन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। वृक्षारोपण की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि केवल पौधरोपण कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण एवं अनुरक्षण भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि वृक्षारोपण के उपरांत पौधों के सत्यापन की रिपोर्ट शत- प्रतिशत सुनिश्चित की जाए तथा सत्यापन के दौरान यदि कोई पौधा सूखा, खराब अथवा नष्ट पाया जाता है, तो उसके स्थान पर अनिवार्य रूप से नया पौधा लगाया जाए। साथ ही नए पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं नियमित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पौधों की जीवितता दर बेहतर हो और वृक्षारोपण का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके। मुख्य विकास अधिकारी निर्देश दिए कि गंगा नदी के किनारे स्थित क्षेत्रों में प्राकृतिक एवं जैविक (ऑर्गेनिक) खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लाभों की जानकारी उपलब्ध कराते हुए प्रोत्साहन कार्यक्रम संचालित किए जाएं तथा अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ा जाए। संबंधित विभाग किसानों को आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हुए इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने निर्देशित किया कि बैठक एवं क्षेत्रीय निरीक्षण के दौरान प्राप्त सुझावों एवं अपेक्षाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि दिए गए निदेर्शों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई हो तथा की गई कार्रवाई की प्रगति से समय-समय पर अवगत कराया जाए।
बैठक में प्राकृतिक एवं जैविक खेती, जल संरक्षण, गंगा स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों में जनभागीदारी बढ़ाने तथा विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में सवारियां बैठाने को लेकर डग्गामार वाहन चालकों में जमकर चले लात-घूसे, पांच गिरफ्तार







गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में दिल्ली हाईवे स्थित चौपला पुलिस चौकी के नजदीक सवारियां बैठाने को लेकर दो डग्गामार वाहन चालकों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। दोनों पक्षों के बीच सड़क पर जमकर लात-घूंसे चले। घटना का वीडियो किसी व्यक्ति ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।
बता दें कि जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि दिल्ली हाईवे के आसपास से डग्गामार वाहन चालक सवारियां लेकर दिल्ली और गाजियाबाद जाते हैं। यात्रियों को अपने वाहन में बैठाने की होड़ के चलते चालकों के बीच आए दिन विवाद की स्थिति बनती रहती है।मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गजरौला पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। सभी के खिलाफ शांति भंग की धाराओं में चालान किया गया है।थाना प्रभारी पंकज तोमर ने शुक्रवार की सुबह जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान रिहान और दानिश निवासी मोहल्ला अल्लीपुर भूड़, सालिम निवासी सुल्तान नगर, नीटू निवासी गांव कुमराला तथा मोहित निवासी गांव सिहाली गोसाईं, थाना गजरौला के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

डीएम ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ डिफेक्टिव ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों को जनपद रामपुर के लिए किया रवाना



अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी ईवीएम मैनुअल (संस्करण-9, अगस्त 2026) में दिए गए निदेर्शों के क्रम में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के प्रयोगार्थ ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की एफएलसी के उपरांत नॉन फंक्शनल (डिफेक्टिव) पाई गई मशीनों को आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ द्वारा वेयरहाउस खुलवाकर समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्कैनिंग कराई गई। स्कैनिंग के उपरांत चिन्हित डिफेक्टिव ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों को निर्धारित सेंटर जनपद रामपुर के लिए रवाना किया गया।इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर रितु रानी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

अमरोहा में हाईकोर्ट के आदेश पर प्रेम विवाह करने वाली युवती ने पुलिस से मांगी सुरक्षा

अमरोहा एसपी को सौंपा प्रार्थना पत्र, मायके पक्ष पर धमकी देने का आरोप

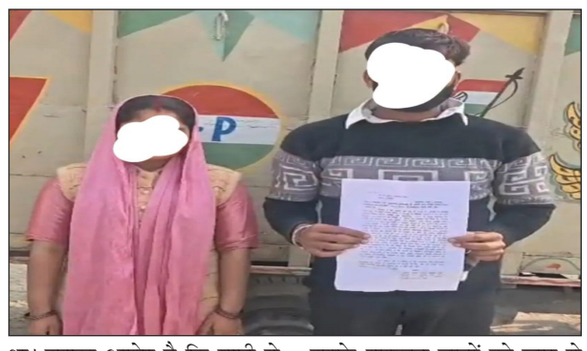

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर थाना क्षेत्र के अगरौला कलां गांव की युवती ने प्रेम विवाह के बाद अपनी और ससुराल पक्ष की सुरक्षा की मांग की है। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे युवती ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। बता दें कि युवती ने प्रार्थना पत्र में बताया कि उसने 4 जून को गाजियाबाद स्थित आर्य समाज वैदिक विवाह संस्कार ट्रस्ट में अपनी मर्जी से प्रेम विवाह किया था। उसका आरोप है कि शादी से नाराज मायके पक्ष के लोग उसे और उसके ससुराल वालों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।युवती के मुताबिक, उसने 25 जुलाई को हसनपुर थाने में भी शिकायत दी थी। इसके बाद उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने 4 नवंबर को आदेश जारी कर उसे सुरक्षा देने के निर्देश दिए थे।इसी आदेश के अनुपालन में युवती ने शुक्रवार को एसपी को प्रार्थना पत्र देकर सुरक्षा की गुहार लगाई। युवती ने मायके पक्ष के लोगों से जान का खतरा बताते हुए अपनी और ससुराल वालों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की।

द आर्यन्स में हुआ संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित





अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के द आर्यन्स, जोया की ओर से आज दिनांक 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में कक्षा- 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरि प्रतियोगिता एवं संगोष्ठि का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर समस्त विद्यार्थियों द्वारा सुबह की प्रार्थना सभा में भारत एवं भारत के संविधान के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं सत्यता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने का संकल्प लेते हुए प्रधानाचार्य द्वारा प्रतिज्ञा का वाचन कराया गया। संविधान दिवस के इस अवसर पर कक्षा- 5 से 12 तक के चुने गए विद्यार्थियों ने दिग्विजय, शीतल, प्रणव, दीपांशी, समीर, विपिन आदि शिक्षकगण के मार्गदर्शन के साथ कचहरी, अमरोहा में उपस्थित होकर जनपद न्यायाधीश द्वारा दिलाई गयी प्रतिज्ञा का वाचन करते हुए संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों को निभाने एवं भारतीय जनता को उनके अधिकारों के प्रति सजग करने एवं किसी के प्रति अन्याय न होने देने का संकल्प लिया। संविधान दिवस के इस अवसर पर विद्यार्थियों को अनुच्छेद 51 (क) में वर्णित उन कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया जिसके अनुसार वहसंविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज, और राष्ट्रगान का आदर करे। स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले कुछ आदर्शों को हृदय में सजाए रखें और उनका पालन करें। भारत के प्रभुता,एकता और अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्य रखे। देश की रक्षा करें और आह्वान किया जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। भारत के सभी लोगों में समरसता और सामान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे, जो धर्म,भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो ऐसी प्रथाओं का त्याग करें जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है। हमारी समासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिक्षण करे। प्राकृतिक पर्यावरण की जिसके अंतर्गत वन,झील,नदी और वन्य जीव हैं,रक्षा करें और उसका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखे। वैज्ञानिक दृष्टिकोण,मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे। सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे। व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए पर्यटन और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले। यदि माता-पिता या संरक्षक हैं, तो 6 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु वाले अपने,यथा स्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए बताया कि संविधान के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना, देश का सम्मान करने के समान है। इस अवसर पर प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह और अनिल कुमार सिंह विद्यार्थियों को संविधान के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया एवं निदेशक महोदय अमन लिट्ट एवं गौरव चौधरी ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की गरिमा बनाए रखने के लिए अभिप्रेरित किया। संविधान दिवस कार्यक्रम संबंधित समस्त रूपरेखा का संचालन गतिविधि प्रभारी जागृति कौशिक द्वारा किया गया। संविधान दिवस संबंधी कार्यक्रम के इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक आदि का योगदान रहा '

पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, संशोधन एवं नाम विलोपन के लिए कर सकते हैं आवेदन



अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 17 नवंबर 2026 से 16 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस दौरान अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने तथा वर्तमान मतदाताओं को अपनी प्रविष्टियों की जांच एवं आवश्यक संशोधन कराने का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों पर दिनांक 28 नवंबर (शनिवार) एवं 29 नवंबर (रविवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि विशेष अभियान दिवसों पर सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे। सभी बीएलओ के पास 17 नवंबर 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची उपलब्ध रहेगी, जिसके माध्यम से नागरिक अपने नाम एवं अन्य विवरणों की जांच कर सकेंगे। इसके साथ ही बीएलओ के पास पर्याप्त संख्या में फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 उपलब्ध रहेंगे, ताकि पात्र नागरिक नया पंजीकरण, नाम विलोपन संबंधी आपत्ति तथा मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन के लिए आवेदन कर सकें। नागरिकों की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क भी स्थापित रहेगी।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने एवं संशोधन आदि के लिए भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https:// voters.eci.gov.in पर मोबाइल नंबर के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है। इसके साथ ही आयोग के ECINET अस्त्रस्त्र को डाउनलोड कर भी ऑनलाइन फॉर्म भरे जा सकते हैं। जनपद स्तर पर टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950 सक्रिय है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करने के साथ आवश्यक जानकारी एवं सहायता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान दिवसों पर जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ERO) एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (AERO) स्वयं विभिन्न मतदेय स्थलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ की उपस्थिति, आलेख्य मतदाता सूची एवं पर्याप्त संख्या में आवेदन फॉर्म उपलब्ध हों तथा हेल्प डेस्क का संचालन सुचारु रूप से हो। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे दिनांक 28 एवं 29 नवंबर को अपने संबंधित मतदेय स्थल पर पहुंचकर 17 नवंबर को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है तो वह फॉर्म-6 भरकर नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकता है। मतदाता सूची में पहले से दर्ज नाम, पता अथवा अन्य विवरणों में संशोधन तथा निवास परिवर्तन की स्थिति में फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। वहीं, नियमानुसार किसी अपात्र अथवा मृतक मतदाता का नाम सूची से हटाने के लिए फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम इसमें दर्ज होना आवश्यक है। अतः सभी नागरिक विशेष अभियान दिवसों का लाभ उठाएं तथा अपने परिवार एवं आसपास के पात्र नागरिकों को भी जागरूक करते हुए मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल/अमरोहा
अमरोहा
शनिवार 28 नवंबर 2026
www.sabkasapna.com

फसल नुकसान की भरपाई के लिए किसान कराएं बीमा, 72 घंटे में देनी होगी सूचना



सम्भल(सब का सपना):- रबी सीजन 2026-27 में किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं विपरीत मौसम से होने वाले फसल नुकसान से सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल खोल दिया गया है। उप कृषि निदेशक सम्भल ने बताया कि पोर्टल पर 21 नवंबर से पंजीकरण शुरू हो गया है। योजना के अंतर्गत गेहूं, लाही-सरसों एवं आलू की फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। उन्होंने जनपद के सभी ऋणी एवं गैर ऋणी किसानों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द अपनी फसलों का बीमा करा लें। किसान अपने नजदीकी बैंक शाखा, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा संबंधित बीमा कंपनी के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीकरण करा सकते हैं। योजना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं और प्रतिकूल मौसम से होने वाले नुकसान की भरपाई कर किसानों की आय को स्थिर बनाए रखना है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि प्राकृतिक या स्थानीय आपदा से फसल क्षति होने पर किसानों को 72 घंटे के अंदर टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना दर्ज करानी होगी। इसके बाद राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनी की संयुक्त जांच समिति किसान की उपस्थिति में भौतिक सर्वेक्षण करेगी, जिसके आधार पर नियमानुसार क्षतिपूर्ति का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए किसान अपने विकासखंड के राजकीय कृषि बीज भंडार, सहायक विकास अधिकारी (कृषि), जिला कृषि अधिकारी सम्भल अथवा उप कृषि निदेशक कार्यालय (चंदौसी) से संपर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन





अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के उपलक्ष्य में विकास भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने किया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राष्ट्रीय दुग्ध दिवस प्रतिवर्ष 26 नवंबर को श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीस कुरियन की जयंती पर मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दूध और डेयरी उत्पादों के पोषण लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा डेयरी किसानों के योगदान को सम्मानित करना है। नोडल अधिकारी डॉ. रोहताश कुमार ने दूध के महत्व, नस्ल सुधार और स्वच्छ दूध उत्पादन पर विस्तार से जानकारी दी। परियोजना निदेशक अंबरीश कुमार ने किसानों को वैज्ञानिक पशुपालन अपनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने गाय को माता का दर्जा देने वाली भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए नकली दूध की समस्या पर चिंता जताई और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया।कार्यक्रम में चकुनी, चंदन कोटा, बरखेड़ा राजपूत, डींगरा, मऊ मयचक, खैया माफी और साथलपुर के गौ आश्रय स्थलों के संचालकों को सम्मानित किया गया। संचालन डॉ. निलय कुमार और डॉ. विजेंद्र सिंह ने किया।

ओवरलोडिंग और बिना दस्तावेज वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई, ऑटो-ई-रिक्शा से हटवाए अवैध पायदान



सम्भल(सब का सपना):- जनपद में यातायात माह नवंबर के तहत शुक्रवार को सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सम्भल पुलिस ने जनपद के विभिन्न प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले वाहनों तथा बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसके साथ ही टैम्पो और ई-रिक्शा में लगे अवैध पायदान भी हटवाए गए। पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान कुल 431 वाहनों के चालान किए गए, जबकि 7 लाख 1 हजार 500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इनमें ऑटो और ई-रिक्शा के 41 चालान किए गए। इंटरसेप्टर के माध्यम से 105 वाहनों के चालान किए गए तथा एक ऑटो-ई-रिक्शा से अवैध पायदान हटवाया गया। अभियान के दौरान किसी वाहन को सीज नहीं किया गया। यातायात पुलिस की टीमों ने स्कूलों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया और सड़क सुरक्षा के महत्व की जानकारी दी। पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाने, तेज गति से वाहन न चलाने तथा दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने की अपील की।

सम्भल पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए नियमों का उल्लंघन करने वाले, ओवरलोडिंग करने वाले तथा बिना वैध दस्तावेज वाहन चलाने वालों के खिलाफ चेकिंग और प्रवर्तन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े में अवैध टैक्सी व ई-रिक्शा स्टैंड के खिलाफ कार्रवाई, छह एरटिगा जब्त



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत जोया पुलिस चौकी क्षेत्र और हाईवे की सर्विस लेन पर लगने वाले अवैध टैक्सी तथा ई-रिक्शा स्टैंड के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में अवैध रूप से खड़ी छह एरटिगा कारों को मौके से उठाकर सीज कर लिया गया। इन वाहनों पर कुल लगभग 1.97 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। अभियान के दौरान हाईवे की सर्विस लेन पर अवैध तरीके से संचालित टैक्सी और ई-रिक्शा स्टैंड को पूरी तरह हटाया गया। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अवैध स्टैंड सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनते हैं तथा यातायात व्यवस्था को बाधित करते हैं। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत इन अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यह संयुक्त कार्रवाई की गई। इस अभियान में सर्कल ऑफिसर प्रदीप कुमार, एआरटीओ मनोज मिश्रा, एक्साइज अधिकारी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर अनुज मलिक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी अवैध स्टैंड लगाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। जनपद में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित अभियान चलाए जा रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अवैध पार्किंग या स्टैंड लगाने से बचें, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

जिला स्तरीय जूडो ट्रायल में 19 खिलाड़ियों का चयन, मंडल प्रतियोगिता में दिखाएंगे दमखम



बहजोई/संभल(सब का सपना):- बी.एम.बी.एल. जैन वर्ल्ड स्कूल, नाधौस के परिसर में शुक्रवार को सब-जूनियर जिला जूडो टीम के चयन के लिए जिला स्तरीय ट्रायल का आयोजन किया गया। इसमें जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं जूडो एकेडमियों से आए बालक-बालिका खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल, तकनीक और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। ट्रायल के दौरान बालक वर्ग के 12 और बालिका वर्ग की सात खिलाड़ियों सहित कुल 19 खिलाड़ियों का विभिन्न भार वर्गों में चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी आगामी मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद सम्भल का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालक वर्ग में सचिन, अक्षराज, निर्भा, अनिरुद्ध सिंह, रुद्र शर्मा, हर्षित, रवि, देवराज कश्यप, देवांश गुप्ता, नकुल, प्रज्ञान गर्ग और दक्ष त्यागी का चयन हुआ। वहीं बालिका वर्ग में लावण्या गोयल, आराध्या, बसंती, अवनी त्यागी, देवांगना यादव, अक्षरा और आयुषी सागर ने चयन सूची में स्थान बनाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों को भी समान महत्व देता है। वहीं निदेशक सम्भव जैन ने कहा कि खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है।

ऐसे आयोजनों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

चयनकर्ता एकांश गुप्ता ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए मंडल स्तरीय प्रतियोगिता की बेहतर तैयारी करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर खेल शिक्षक शैलेन्द्र कुमार सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित, पैदल मार्च निकालकर किया जागरूक

सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित





बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता अभियान के अंतर्गत बाल विवाह उन्मूलन अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में पुलिस लाइन सभागार स्थित बहजोई मंडी समिति में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) एवं नोडल अधिकारी मनोज कुमार रावत के निर्देशन तथा प्रयत्न संस्था (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन) के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यशाला में थानाध्यक्ष एएचटी बाबूराम सैनी, गौरीशंकर चौधरी एवं चाइल्ड हेल्पलाइन सम्भल की प्रभारी मानसी ने उपस्थित लोगों को बाल विवाह, अल्पायु विवाह और जबरन विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों की जानकारी दी। वक्ताओं ने बाल विवाह प्रतिषेध कानून, बच्चों के अधिकारों तथा बाल विवाह की रोकथाम में पुलिस और प्रशासन की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक एवं सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बाल विवाह से संबंधित किसी भी घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस या चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत के निर्देशन में पैदल मार्च भी निकाला गया। इसके माध्यम से लोगों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति समाप्त करने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने का संदेश दिया गया।

बाल विवाह उन्मूलन एवं रोकथाम के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वाले बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, सदस्य गौरव शर्मा, थानाध्यक्ष एएचटी बाबूराम सैनी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार, उपनिरीक्षक जगवीर सिंह, कांस्टेबल अनिकेत एवं केशव कुमार (थाना बबराला) तथा उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह (थाना हजरतनगर गढ़ी) को अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयास करने, बच्चों की सुरक्षा एवं अधिकारों को प्राथमिकता देने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया।

सरकारी योजनाओं के लंबित ऋण आवेदनों पर डीएम सख्त, 12 दिन का दिया अल्टीमेटम

बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ बैठक कर सीएम युवा, पीएम स्वनिधि और पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा की





बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय में विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं की प्रगति को लेकर बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा), पीएम स्वनिधि एवं पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लंबित और स्वीकृत आवेदनों की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सीएम युवा योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की बैंकवार ऋण स्वीकृति एवं लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। इस दौरान एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, पीएनबी, यूपी ग्रामीण बैंक, सेंट्रल बैंक, यूनियन बैंक और केनरा बैंक सहित विभिन्न बैंकों की प्रगति की समीक्षा की गई। डीएम ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऋण आवेदनों की स्वीकृति में तेजी लाते हुए अगले 10 से 12 दिनों के भीतर सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने एलडीएम को निर्देशित किया कि जिन बैंकों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनके महाप्रबंधकों के साथ बैठक करने की तैयारी की जाए। साथ ही 10 दिसंबर को होने वाली अगली समीक्षा बैठक में आवश्यक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। जिलाधिकारी ने लंबित आवेदनों और उनके निस्तारण की दैनिक रिपोर्ट बैंकों के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप पर अनिवार्य रूप से साझा करने के निर्देश भी दिए, ताकि प्रतिदिन की प्रगति की निगरानी की जा सके। बैठक में एनआरएलएम के अंतर्गत सीसीएल और नए बैंक खाते खोलने से संबंधित लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को इनका शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर अभिमन्यु कुमार, नीरज कुमार द्विवेदी, रामानुज, उपायुक्त उद्योग मुकेश कुमार, एलडीएम ललित कुमार रॉय, विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला समन्वयक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत सड़क सुरक्षा कार्यशाला आयोजित



अमरोहा (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशों के अनुपालन के क्रम में उप सम्भा गीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन मनोज कुमार मिश्रा के नेतृत्वि में अपराह्न 12: बजे विक्टोरिया पब्लिक स्कूकल बिजनौर रोड अमरोहा में छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा, यातायात प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र सिंह यातायात उपनिरीक्षक अनुज कुमार मलिक, एवं परिवहन विभाग से यात्री/मालकर अधिकारी सुधीर कुमार सिंह, ने छात्र-छात्राओं सड़क सुरक्षा नियमो एवं ड्राईविंग रेग्यूतलेशन के प्रति जागरूक किया तथा नियमो का पालन करने के लिए प्रेरित किया । उक्तन कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबन्धरक संजीव यादव प्राचार्या गीतान्ज्ली अरोड़ा एवं व्याउम शिक्षक रजन विपिन कुमार राजेन्द्रा कुमार , सचिन कुमार एवं निशांत कुमार एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं द्वारा ड्राइविंग रेगुलेशंस, रोड रेगुलेशंस, सड़क संकेत एवं चिह्नों की भाषा, यातायात नियमों तथा वाहन संचालन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। साथ ही सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने तथा दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उचित मदद उपलब्ध कराने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में ड्राइविंग रेगुलेशंस के विभिन्न प्रावधानों, यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता, सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार तथा सुरक्षित आवागमन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक सेवा वाहनों में महिलाओं के आवागमन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों एवं विभिन्न आपातकालीन सेवाओं के हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी छात्र-छात्राओं को दी गई। कार्यशाला के अंत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, स्वयं सुरक्षित रखने तथा दूसरों को सड़क पर सम्मान देने तथा अन्या को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरणा देतु हुए सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना, यातायात नियमों के पालन की आदत को प्रोत्साहित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए समाज में जिम्मेदार नागरिकों की भूमिका को मजबूत करना रहा।

विधायक ओम कुमार ने न्यायालय के फैसले का किया सम्मान, सुप्रीम कोर्ट में करेंगे अपील

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर विधानसभा सीट से निर्वाचन निरस्त होने के मामले में भाजपा विधायक ओम कुमार ने कहा कि वह न्यायालय के फैसले का पूरा सम्मान करते हैं। चुनाव याचिका में याचिकाकर्ता ने उनका निर्वाचन रद्द करने के साथ-साथ स्वयं को नहटौर से विधायक घोषित करने और दोबारा मतगणना कराने की मांग की थी। ओम कुमार ने कहा कि माननीय न्यायालय ने मतगणना में गड़बड़ी और वीवीपैट पर्चियों की अदला-बदली से संबंधित आरोपों को सही नहीं पाया। इसके साथ ही याचिकाकर्ता को विधायक घोषित



करने तथा दोबारा मतगणना कराने की मांग भी खारिज कर दी गई। हालांकि, फॉर्म-26 के शपथपत्र में हुई लिपिकीय एवं मानवीय त्रुटि को आधार बनाकर उनका निर्वाचन निरस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने उन्हें 15 दिनों की अंतरिम राहत प्रदान की है। इस अवधि में वह अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता का प्रतिनिधित्व कर सकेंगे और विधानसभा में होने वाली बहस में भी भाग ले सकेंगे। ओम कुमार ने कहा कि वह न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए अपने पक्ष को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में अपील करेंगे। उन्हें देश की सर्वोच्च अदालत पर पूरा भरोसा है। वह वहां विनम्रतापूर्वक अपना पक्ष रखेंगे और उन्हें उम्मीद है कि सर्वोच्च न्यायालय से न्याय मिलेगा।

उन्होंने नहटौर की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों ने हमेशा उन्हें प्यार और समर्थन दिया है। वह इसके लिए सभी के हृदय से आभारी हैं। जनता के प्रति उनकी सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी आगे भी निरंतर बनी रहेगी।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से विशालकाय हाथी की मौत, वन विभाग में मचा हड़कंप

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- वन प्रभाग नजीबाबाद की साहनपुर वन रेंज के कंपार्टमेंट नंबर 10 में एक बेहद दुखद हादसा सामने आया है। यहां जंगल से निकलकर खेत की मेड़ के पास पहुंचे एक करीब 40 वर्षीय विशालकाय नर हाथी की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद से वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है।जानकारी के अनुसार, हाथी जंगल से बाहर निकलकर पास के ही एक खेत की मेड़ तक आ पहुंचा था। मेड़ के ऊपर से ही हाई-वोल्टेज (उच्च क्षमता) की बिजली की लाइनें गुजर रही थीं।



बताया जा रहा है कि जैसे ही हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठाई, वह अचानक इन तारों के संपर्क में आ गई। जोरदार करंट लगने से हाथी की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल रेंज कार्यालय से कुछ ही दूरी पर होने के कारण खबर मिलते ही डीएफओ, वन क्षेत्राधिकारी विकास कुमार, वन दरोगा रघुवीर सिंह और वन विभाग की टीम भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। यहादसे की गंभीरता को देखते हुए तीन पशु चिकित्सकों का एक पैनल मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने हाथी के शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद, वन विभाग की देखरेख में जेसीबी मशीन मंगवाकर गहरा गड्ढा खुदवाया गया और हाथी के शव को नियमानुसार दफना दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि हाथी के मुख्य अंगों और दोनों दांतों को पूरी तरह सुरक्षित रख लिया गया है, और बिसरा (Visceral) परीक्षण के लिए इन्हें बरेली भेजा जाएगा ताकि मौत के कारणों की वैज्ञानिक पुष्टि की जा सके।

स्नेहा अग्रवाल ने कॉमर्शियल पायलट बनकर किया नहटौर का नाम रोशन

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नहटौर के मोहल्ला सब्जी मंडी निवासी स्नेहा अग्रवाल ने कमर्शियल पायलट बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्नेहा को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित ट्रेसी म्युनिसिपल एयरपोर्ट के प्रतिष्ठित संस्थान स्काई व्यू एविएशन से कमर्शियल पायलट का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। अपने माता पिता नितिन अग्रवाल व शिल्पी अग्रवाल के साथ स्नेहा अग्रवाल। स्नेहा अग्रवाल के पिता व सराफा व्यापारी नितिन अग्रवाल व उनकी पत्नी शिल्पी अग्रवाल ने बताया की स्नेहा की दसवीं और बारहवीं की शिक्षा उड़ते पक्षियों को देखकर की



परिकल्पना की थी। बचपन से ही आकाश में उड़ान भरने का सपना देखने वाली स्नेहा ने बताया कि पिता नितिन अग्रवाल व माता शिल्पी अग्रवाल व गुरुजनों के सहयोग से ही यह सफलता मिली। उन्होंने यह भी बताया कि उड़ते हुए पंछियों को देखकर आसमान छूने की परिकल्पना की। उन्होंने कहा कि मेहनत के साथ-साथ उनके परिवार का पूर्ण साथ रहा। बनस्थली विद्यापीठ राजस्थान से पूरी हुई। उन्होंने वर्ष 2021 में प्रशिक्षण शुरू किया था। इसके बाद दिल्ली से 6 माह की कोचिंग ली और वर्ष 2025 में पायलट परीक्षा में सफलता हासिल की।

स्काई व्यू एविएशन द्वारा स्नेहा अग्रवाल ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) द्वारा निर्धारित कमर्शियल पायलट एयरप्लेन सिंगल इंजन लैंड विद इंस्ट्रूमेंट रेटिंग प्रैक्टिकल टेस्ट सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है। निर्धारित घंटो की सफल उड़ान पूरी करने के बाद उन्हें कमर्शियल पायलट लाइसेंस के लिए पात्र माना गया। स्नेहा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व गुरुजनों को दिया।

गंगा में डूबे लोगों में हर्षित का शव बरामद, लापता गुड़िया उर्फ डोली की खोज अब भी जारी

नांगल सोती/बिजनौर (सब का सपना):- गंगा नदी के तेज बहाव में डूबे लोगों की तलाश में जुटी राहत और बचाव टीमों को गुरुवार को एक बड़ी लेकिन हृदयविदारक सफलता मिली। लगातार चले सर्च ऑपरेशन के बाद, स्थानीय गोताखोरों ने घटना स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर हर्षित उर्फ हर्ष का शव बरामद कर लिया है। शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में मातम पसर गया। पुलिस ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। वहीं, हादसे में लापता हुई दूसरी बच्ची गुड़िया उर्फ डोली का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है, जिसके चलते उसकी तलाश में सर्च अभियान शुक्रवार को भी पूरी शिद्दत से जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गंगा नदी में डूबने की इस दर्दनाक घटना के बाद से ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और बचाव दल लगातार लापता लोगों की खोज में जुटे हुए



थे। गुरुवार को स्थानीय गोताखोरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर नदी की गहराई में सघन तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर आगे, नदी के बहाव क्षेत्र में गोताखोरों को एक शव दिखाई दिया। शव की शिनाख्त हर्षित उर्फ हर्ष के रूप में हुई। हर्षित का निष्प्राण शरीर पानी से बाहर निकाले जाते ही वहां मौजूद परिजनों और ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने तुरंत स्थिति को संभाला और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। एक तरफ जहां हर्षित का शव मिलने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं दूसरी तरफ लापता गुड़िया उर्फ डोली के परिजनों की सांसें अब भी अटकी हुई हैं। डोली को तलाशने के लिए पुलिस और स्थानीय बचाव दलों के साथ-साथ भारी संख्या में स्थानीय गोताखोर गंगा की लहरों और गहराई को खंगाल रहे हैं। बचाव कार्य में लगी टीमों ने खोज का दायरा बढ़ा दिया है। नदी के बहाव की दिशा में कई किलोमीटर आगे तक जाल डाले गए हैं और नावों के जरिए चप्पा-चप्पा छाना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक डोली का पता नहीं चल जाता, यह सर्च ऑपरेशन लगातार जारी रहेगा। इस दुखद हादसे ने प्रभावित परिवारों को पूरी तरह से तोड़कर रख दिया है। अपनों को खोने के गम से पहले ही बेहाल हो चुके परिवारों के लिए हर्षित का शव मिलने की खबर किसी वज्रपात से कम नहीं थी। गांव में चूल्हे नहीं जले हैं और हर आंख नम है। अब पीड़ित परिजनों और पूरे गांव की निगाहें गुड़िया उर्फ डोली की तलाश पर टिकी हुई हैं।

लोग नदी के किनारे बैठकर किसी चमत्कार या कम से कम अपनी लाडली का सुराग मिलने की उम्मीद में टकटकी लगाए हुए हैं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी भी लगातार मौके पर डटे हुए हैं और बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से बचाव अभियान में और तेजी लाने तथा अतिरिक्त संसाधनों का उपयोग करने की मांग की है।

गरीब को योजना की दूसरी किस्त नहीं कड़ाके की सर्दी में पान्नी व टाट में रहने को मजबूर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थीओ को दूसरी किस्त नहीं मिलने से ठंड की यह रतें ठिठर ठिठर कर गुजरने को मजबूर हैं। लेकिन जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है, उनकी लापरवाही के चलते गरीब लाभार्थी उन्हें बद्दुआ दे रहे हैं। भारत सरकार द्वारा गरीब और सहायक लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना चलाकर उन्हें अपने मकान पक्की छत मिले इस योजना का लाभ वैसे दस 10% पात्र लोगों को लाभ मिला है शेष 90% अपात्र लोगों को लाभ मिलने आ रहा है, 1 वर्ष पूर्व नगर क्षेत्र के लोगों जिनमे दलित सैनी वे अन्य समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े जो बहुत ही गरीब और तंग हाली में जीवन यापन कर रहे गरीब गरीब लोगों ने ऑनलाइन फॉर्म भरे थे जिनको पहली किस्त के रूप में एक-एक लाख रुपए मिले थे जिनमे से 40 40 हजार रुपए विभाग के जेई, कर्मचारी और वार्ड सभासदों ने फार्म पास करने और दूसरी किस्त दिलाने के नाम पर वसूल कर लिए थे, शेष 60-60 हजार रुपए में से उन्होंने अपने कच्ची क्षते तोड़कर जितना निर्माण हो सका करा लिया था। जिन गरीब ह सहाय परिवारों ने अपनी-अपनी छते और छप्पर तोड़े है तभी से वह अपने आंगन यानी की खुले आकाश के नीचे पान्नी या टाट डालकर रहने को विवस और मजबूर हो रहे हैं, जबकि वर्तमान समय में कड़ाके की ठंड पड़ रही है, और अगले दो महा दिसंबर वे जनवरी भीषण गर्मी और कोहरा और शीत लहर के चलने से भीषण ठंड का प्रकोप सबसे अधिक बढ़ जाता है, ठंड के बड़े प्रकोप से खुले आकाश की छत के नीचे सो रहे हैं इन गरीब परिवारों पर क्या हाल होगा और कैसे अपने जीवन की रातें बिताएंगे यह तो वही लोग जाने लेकिन इन गरीबों की जनप्रतिनिधियों एव प्रशासनिक अधकारियो को जरा भी चिंता नही है। फिर भी योजना के इन असहाय और गरीब परिवारों को आज भी योजना की दूसरी किस्त मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं ताकि वह भी अगले दो महा पढ़ने वाली भीषण ठंड से अपने को और अपने बच्चों को कड़ाके की ठंड सर्दी से बच सके और उन्हें बफीर्ली शीत लहर का सामना करना ना पड़े।

सड़क दुर्घटना में 8 लोग घायल, चार की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर रोड पर गुरुवार दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे में विक्रम टेम्पो में सवार एक ही परिवार के 8 लोग घायल हो गए। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल चार लोगों (महिलाओं) को चिंताजनक हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरेवली निवासी एक परिवार विक्रम टेम्पो में सवार होकर नगीना थाना



क्षेत्र के ग्राम जमालपुर में नातिन की शादी में भात देने जा रहा था। धामपुर रोड पर गांव तिबड़ी के सामने धामपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने विक्रम टेम्पो में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही विक्रम टेम्पो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद राहगीरों और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए क्षतिग्रस्त टेम्पो से घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सरकारी एंबुलेंस के जरिए सीएचसी भिजवाया।

सड़क हादसे में मां-बेटी की मौत के बाद पीड़ित परिवार को 11 लाख की आर्थिक सहायता

मिल प्रशासन ने दिए 10 लाख, एक लाख रुपये का दूसरा चेक भी सौंपा, जनप्रतिनिधियों ने परिवार को बंधाया ढांढस

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- गंगा स्नान से लौटते समय हुए भीषण सड़क हादसे में मां-बेटी की मौत के बाद पीड़ित परिवार की मदद के लिए प्रशासन, मिल प्रबंधन और क्षेत्र के गणमान्य लोग आगे आए हैं। गुरुवार को पीड़ित परिवार के मुखिया रोहिताश को कुल 11 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के दो चेक सौंपे गए। इनमें मिल प्रशासन की ओर से 10 लाख रुपये तथा एक लाख रुपये का दूसरा चेक शामिल है। इस दौरान पूर्व विधायक कमलेश



सैनी, तिलकराज सैनी, राष्ट्रीय सैनी सभा के अध्यक्ष प्रमोद सैनी, बबलू सैनी और नगरपालिका के पूर्व प्रत्याशी विकास गुप्ता सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। गौरतलब है कि मंगलवार को ग्राम अकबरपुर झोझा निवासी निलेश अपने परिवार के साथ गंगा स्नान कर ट्रैक्टर-ट्रॉली से घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसे में निलेश गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जबकि उनकी पत्नी और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई थी। निलेश का उपचार चल रहा है। इस हृदयविदारक घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी।

हलचल म्यूजिकल सोसाइटी के चुनाव में डॉ. अंजू बिश्नोई तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित

ऋतु गर्ग को महासचिव और नीतू मित्तल को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी, पांच जनवरी को होगा शपथ ग्रहण समारोह

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- हलचल म्यूजिकल सोसाइटी की वार्षिक बैठक में वर्ष 2027-28 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव में सर्वसम्मति से डॉ. अंजू बिश्नोई को लगातार तीसरी बार अध्यक्ष चुना गया, जबकि ऋतु गर्ग को महासचिव और नीतू मित्तल को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। नगर स्थित काशीनाथ मेमोरियल हॉल में आयोजित बैठक में आगामी वर्ष के दौरान सोसाइटी की ओर से होने वाले संगीत कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद पुष्पा लाहौटी, सीके सिंह, कृष्णा अग्रवाल, आशा माहेश्वरी और शीतल अग्रवाल के संरक्षक मंडल की देखरेख में नई कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न







हुए।चुनाव में स्वाति अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, स्वाति जैन और कमलिनी अग्रवाल को सचिव, मीनाक्षी मलिक और लवली अग्रवाल को उपाध्यक्ष तथा गीता माहेश्वरी को प्रचार मंत्री चुना गया।बैठक में मशहूर शायर डॉ. आलमगीर काजमी और गणपति सेवा मंडल के अध्यक्ष पवन कंबोज को सोसाइटी की सदस्यता भी प्रदान की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी पांच जनवरी को नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह तथा हलचल म्यूजिकल अवार्ड समारोह संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सोसाइटी की संरक्षिका पुष्पा लाहौटी का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। बैठक की अध्यक्षता आशा माहेश्वरी ने की तथा संचालन सुशील गुप्ता ने किया। बैठक में विशाखा मित्तल, मधु गिल्होत्रा, केके विश्नोई, जितेंद्र सैनी, नीरू बैरी, तनु बेरी, स्वाति गुप्ता, अन्नू अग्रवाल (साड़ी वाले) और गौरव विश्नोई सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

खेतों में खड़ा गन्ना भी सुरक्षित नहीं, चोरों ने ट्रैक्टर-ट्राली से उड़ाया 100 कुंतल से अधिक गन्ना

पहले नलकूपों से स्टार्टर, मोटर और कृषि यंत्र चोरी होते थे, अब किसानों की फसल पर भी चोरों की नजर

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में किसानों के नलकूपों से चोरी की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब चोरों ने किसानों के खेतों में खड़े गन्ने को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। कोतवाली शहर क्षेत्र के नगीना रोड स्थित आलमपुर ढापी के जंगल में अज्ञात चोर किसानों के खेतों से ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर 100 कुंतल से अधिक गन्ना चोरी कर ले गए। शुक्रवार सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों को गन्ना गायब मिला तो उनके होश उड़ गए। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर किसानों में आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार किसान विनीत चौधरी, अमित चौधरी, राजकुमार और प्रभात चौधरी के खेत आलमपुर ढापी के जंगल में स्थित हैं। आरोप है कि



गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने उनके खेतों में खड़े गन्ने को काटकर ट्रैक्टर-ट्राली में भरा और मौके से फरार हो गए। शुक्रवार सुबह किसान खेतों पर पहुंचे तो वहां से बड़ी मात्रा में गन्ना गायब मिला। इसके बाद किसानों ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आसपास की जानकारी जुटाई। बाद में किसानों ने थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

किसानों का कहना है कि इससे पहले भी इसी जंगल में कई बार नलकूपों से स्टार्टर, मोटर और अन्य कृषि उपकरण चोरी हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इन घटनाओं का खुलासा नहीं हो सका है। अब चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे खेतों में खड़ी किसानों की फसल को भी नहीं छोड़ रहे हैं। रात के अंधेरे में ट्रैक्टर-ट्राली लेकर पहुंचने वाले चोर आसानी से गन्ना चोरी कर रहे हैं kकिसान विनीत चौधरी ने बताया कि एक ओर किसान पहले से ही फसल उत्पादन की समस्याओं और बढ़ती लागत से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर चोरी की घटनाएं उनकी मुश्किलें और बढ़ा रही हैं। मेहनत से तैयार की गई फसल चोरी होने से किसानों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो रहा है। किसानों ने पुलिस अधिकारियों से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

रात के अंधेरे में मिट्टी का अवैध खनन, जिम्मेदार कौन?

बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का हो रहा इस्तेमाल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय स्तर पर रात के अंधेरे में बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए मिट्टी का अवैध खनन और परिवहन किए जाने की बातें सामने आ रही हैं, जिससे जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था और कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बिना नंबर प्लेट के



चलने वाले वाहनों की वजह से उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। नियमों को दरकिनार कर हो रहा यह कारोबार सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करता है। तेज रफ्तार और बिना नंबर प्लेट के दौड़ने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से पहले भी हादसे होने और आगे बड़े हादसे की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से रात में विशेष अभियान चलाकर अवैध खनन में लगे वाहनों को सीज करने और बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टर-ट्रॉलियां चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

खंड शिक्षा अधिकारी पवन कुमार द्विवेदी जी को दी गई भावभीनी विदाई व नवागत बीईओ मनीन्द्र कुमार जी का हुआ भव्य स्वागत





फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के कम्पोजिट विद्यालय दौलतियापुर, वि०ख०- खजुहा, निवर्तमान खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) पवन कुमार द्विवेदी के स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई तथा नवागत खंड शिक्षा अधिकारी श्री मनीन्द्र कुमार जी के आगमन पर भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक के समस्त शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों एवं कार्यालय कर्मियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समारोह के दौरान शिक्षकों ने निवर्तमान बीईओ पवन कुमार द्विवेदी जी का माल्यार्पण कर, शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व, सहज स्वभाव और मार्गदर्शन में ब्लॉक के परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता और नामांकन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। लगभग 55 महीने के कार्यकाल में उन्होंने अपने व्यवहार से खजुहा ब्लॉक में शिक्षकों के मध्य अविस्मरणीय अपनी छवि की छाप छोड़ी है। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए निवर्तमान बीईओ ने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि खजुहा ब्लॉक में बिताया गया समय और शिक्षकों का स्नेह सदैव स्मरणीय रहेगा। इसके पश्चात नवागत खंड शिक्षा अधिकारी मनीन्द्र कुमार का पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण के साथ जोरदार स्वागत किया गया। नवागत बीईओ ने अपने संबोधन में कहा कि वे सभी शिक्षकों के साथ समन्वय बनाकर ब्लॉक को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे और शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी प्राथमिकता होगी।कार्यक्रम का आयोजन अनुपम सिंह (स०अ०) कम्पोजिट विद्यालय दौलतियापुर व प्राथमिक शिक्षक संघ खजुहा के संयोजक योगेश पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुधांशु श्रीवास्तव जी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अमित के० शुक्ला (समाजसेवी), प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, जिला मंत्री विजय त्रिपाठी जी, खजुहा ब्लॉक के सह संयोजक मुनेश्वर चन्द्र, समस्त ए०आर०पी० गण, आशीष उत्तम, सुनील उमराव, हिमांशु सचान, प्रियांशु अवस्थी, गिरीश त्रिवेदी, ज्ञानेन्द्र देव मिश्रा प्रीति मिश्रा, किरण त्रिपाठी, अलका गुप्ता, अनिशा तिवारी, निवेदिता आर्या, ऊषा सिंह, कल्पना सिंह, वर्षा सिंह आदि अध्यापकगण उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम, दो बहादुर बेटियां हुईं सम्मानित

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में गुरुवार को केशव मारवाड़ गर्ल्स डिग्री कॉलेज पिलखुवा में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की टीम से डीएमसी नेहा त्यागी, जेंडर स्पेशलिस्ट मुस्तकीम अहमद, चाइल्ड हेल्पलाइन से केस वर्कर ज्योति व रॉबिन कुमार, वन स्टॉप सेंटर से रविता चौहान तथा कॉलेज के अध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान डीएमसी नेहा त्यागी ने बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षिक विकास को प्रभावित करता है। बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत लड़के के विवाह की न्यूनतम आयु 21 वर्ष तथा लड़की की 18 वर्ष निर्धारित है। उन्होंने सभी से बाल विवाह रोकने तथा इसकी सूचना देने की अपील की। बाल विवाह के विरुद्ध सभी को शपथ भी दिलाई गई। जेंडर स्पेशलिस्ट मुस्तकीम अहमद ने महिला कल्याण विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा महिला सुरक्षा एवं सहायता से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला पावर लाइन) एवं 112 (आपातकालीन सेवा) के बारे में बताया गया। साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया।वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर रविता चौहान ने वन स्टॉप सेंटर की विस्तृत जानकारी दी और कहा कि बेटा तो भाग्य से मिलता है और बेटी सौभाग्य से मिलती है। चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) के केस वर्कर रॉबिन कुमार एवं ज्योति ने बताया कि बाल श्रम, भिक्षावृत्ति व बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दी जा सकती है। कार्यक्रम में दो बेटियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने स्वयं साहस दिखाकर हेल्पलाइन नंबर 1098 पर कॉल की और अपने बाल विवाह को रुकवाया। बाल विवाह जैसी बुराई को छोड़कर उन्होंने अपनी शिक्षा का चयन किया।



'थोथा चना बाजे घना', सपा के घोषणापत्र पर मायावती ने कसा तंज; मेनिफेस्टो को बताया छलावा

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समजावादी पार्टी द्वारा जारी घोषणा पत्र को छलावा करार दिया है। मयावती ने कहा है कि सपा का जन-मन का मेनिफेस्टो के नाम से कल जारी किया गया प्रण-पत्र, इनके कथित पीडीए की तरह ही कोरा हवाहवाई है और थोथा चना बाजे घना की कहावत को चरितार्थ करने वाला है। शुक्रवार को मायावती ने एक्स पर लिखा कि सपा का स्वभाव जाहिर तौर पर गरीबों, दलितों, पिछड़ों व मुस्लिमों आदि के वास्तविक हित के विरुद्ध संकीर्ण, जातिवादी और धन्नासेठ समर्थक रहा है, राज्यसभा चुनाव में पीडीए



के बजाय एक बड़े धन्नासेठ को प्राथमिकता देना, इसका उदाहरण है। इनका जन-मन घोषणापत्र वास्तव में धन-मन वादी अधिक है। सपा समाज के अच्छे लोगों के बजाय ऐसे ही धनी व बाहुबलियों आदि को चुनाव मैदान में भी उतारेगी जो खुद के लाभ व स्वार्थ में ही लगातार डूबे रहते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि बसपा ने अपनी सरकारों के समय हर हाथ को काम और कानून का राज की नीति पर काम किया, जो सपा, कांग्रेस व भाजपा आदि के बलबूते की बात नहीं।

मायावती ने आरोप लगाते हुए कहा कि सपा के दामन पर लगे अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़ा आरक्षण विरोधी रवैये और प्रदेश को जातिवादी व दंगा-युक्त बनाने के धब्बों को जनता भला कैसे भुला पायेगी? सपा की बातें, वादे, दावे व घोषणाएं आदि चुनावी छल व छलावा हैं, इसलिए लोग जरूर सावधान रहें।

हापुड़ पुलिस कप्तान का ऐसा मानवीय चेहरा, हर कोई कहने लगा - जय हो

सड़क हादसे में घायल दो छात्राओं को एसपी ने अपनी एस्कॉर्ट गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल, वीडियो वायरल

हापुड़ (सब का सपना):- कभी-कभी पुलिस का ऐसा मानवीय चेहरा सामने आता है कि हर कोई जय हो कह उठता है। ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को हापुड़ में सामने आया, जब पुलिस अधीक्षक मधुवन कुमार सिंह ने घायल छात्राओं की मदद कर इंसानियत की मिसाल पेश की।बात शुक्रवार की सुबह की है। पुलिस अधीक्षक मधुवन कुमार सिंह अपने कार्यालय जा रहे थे कि उनकी नजर दिल्ली रोड पर सबली कट के पास



एक स्कूटी पर पड़ी, जो अनियंत्रित होकर गिर गई थी। स्कूटी पर सवार दो छात्राएं घायल हो गईं। पुलिस अधीक्षक ने तुरंत रुककर दोनों छात्राओं को प्राथमिक उपचार दिलाया और अपनी एस्कॉर्ट की गाड़ी से नजदीकी अस्पताल में उपचार हेतु भिजवाया। पुलिस अधीक्षक के इस मानवीय चेहरे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग उनकी जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

ईओ नगीना ने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को वितरित की गई जनगणना किट





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनगणना 2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) की तैयारियों के क्रम में 27 नवंबर को नगर पालिका परिषद नगीना में समस्त प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना किट वितरित की गईं। इन किटों में जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। जनगणना किट वितरण कार्यक्रम के अवसर पर चार्ज अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगीना सतीश कुमार ने बताया कि जनसंख्या गणना का कार्य दिनांक 01 दिसंबर से 04 जनवरी 2027 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित समय-सारणी एवं शासन के दिशा-निदेर्शों के अनुसार अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में पूरी जिम्मेदारी, सतर्कता एवं निष्ठा के साथ कार्य करें। साथ ही उन्होंने जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी कर्मचारियों से आपसी समन्वय एवं पूर्ण सहयोग बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के संबंधित कर्मचारी, प्रगणक एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

सर्दी में मजदूरों का मजबूत सहारा बनेगी योगी सरकार: यूपी में 1 दिसंबर से खुलेंगे निशुल्क लेबर अड्डे, मिलेगा मुफ्त भोजन और बिस्तर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार सर्दी के मौसम में मजदूरों का मजबूत सहारा बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर निर्माण श्रमिकों को हाड़ कंपाने वाली ठंड में राहत देने के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र योजना के अंतर्गत 18 महानगरों में 1 दिसंबर से निशुल्क अस्थायी लेबर अड्डे खोले जाएंगे। ये अड्डे गोरखपुर, आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, झांसी, कानपुर नगर, लखनऊ, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर, शाहजहांपुर, वाराणसी एवं गौतमबुद्धनगर में संचालित किए जाएंगे। इस संबंध में श्रम विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. आशीष कुमार गोयल ने सभी संबंधित 18 जनपदों के जिलाधिकारियों को परिपत्र जारी कर दिया है। दिसंबर व जनवरी की कड़कड़ाती ठंड के दौरान अब किसी भी निर्माण श्रमिक या प्रवासी मजदूर को खुले आसमान के नीचे या सड़क किनारे रात नहीं गुजारनी पड़ेगी। यह विशेष व्यवस्था आगामी 1 दिसंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक, कुल दो माह के लिए अस्थायी रूप से संचालित की जाएगी। प्रायः देखा जाता है कि रोजगार की तलाश में बड़े शहरों में आने वाले प्रवासी मजदूरों के पास विभागीय पंजीयन न होने के कारण वे सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए शासन ने नियमों को बेहद सरल बनाया है। इस योजना के तहत राजमिस्त्री, बेलदार, मजदूर, बढ़ई, प्लम्बर, पेंटर,



इलेक्ट्रिशियन, लोहार, टाइल्स कारीगर सहित भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों से जुड़े सभी श्रमिक और प्रवासी कामगार पात्र होंगे। यदि किसी श्रमिक का श्रम विभाग में पंजीयन नहीं है, तो भी वह कोई वैध पहचान पत्र दिखाकर निशुल्क रात्रि विश्राम की सुविधा प्राप्त कर सकेगा। सभी लेबर अड्डों पर श्रमिकों के तत्काल पंजीयन और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने की व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी। संबंधित जिलाधिकारियों को स्थानीय आवश्यकता और श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों को देखते हुए इन अस्थायी लेबर अड्डों की संख्या और स्थान तय करने का अधिकार दिया गया है। इनकी स्थापना रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, प्रमुख श्रमिक मंडियों, बड़े निर्माण स्थलों और औद्योगिक क्षेत्रों के नजदीक की जाएगी, ताकि काम की तलाश में भटकने वाले मजदूरों को आसानी से आश्रय मिल सके। इन 18 शहरों में आवश्यकता के अनुसार 30 बेड या 60 बेड की क्षमता वाले एक या एक से अधिक लेबर अड्डे स्थापित किए जा सकेंगे। महिला और पुरुष श्रमिकों के ठहरने के लिए अलग-अलग और सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए जीआई शीट, बांस-बल्ली और टिन शेड से अस्थायी संरचना तैयार की जाएगी या उपयुक्त सरकारी व निजी भवनों को किराए पर लिया जाएगा। अस्थायी लेबर अड्डों में ठहरने वाले श्रमिकों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा और उन्हें घर जैसी बुनियादी सुविधाएं दी जाएंगी। श्रमिकों को ठंड से बचने के लिए गद्दा, चादर, तकिया और पर्याप्त संख्या में कंबल उपलब्ध कराए जाएंगे। केंद्रों पर 24 घंटे स्वच्छ पेयजल, क्रियाशील शौचालय और स्नानागार की व्यवस्था रहेगी। ठंड से बचाव के लिए सुरक्षित हीटिंग की व्यवस्था भी की जा सकेगी, जिसमें अग्नि और विद्युत सुरक्षा के मानकों का पूरा ध्यान रखा जाएगा ताकि किसी प्रकार की अनहोनी या कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता की स्थिति न बने। लेबर अड्डे में आश्रय के साथ-साथ श्रमिकों के भोजन का भी पूरा इंतजाम किया जाएगा। यहां ठहरने वाले पात्र श्रमिकों को रात्रि के समय ताजा, गर्म और पौष्टिक भोजन निशुल्क दिया जाएगा। भोजन की व्यवस्था सामुदायिक रसोई, स्वयं सहायता समूहों या अधिकृत स्थानीय एजेंसियों के माध्यम से की जाएगी, जिसके लिए प्रति श्रमिक अधिकतम 70 रुपये की लागत निर्धारित की गई है। 'डॉ. भीमराव आंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र योजना के सुचारु संचालन के लिए उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के उपकर कोष से बजट जारी किया गया है। शासन द्वारा अग्रिम के रूप में प्रत्येक चयनित जनपद को 10 लाख रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। वित्तीय मानकों के तहत दो माह के संचालन हेतु 30 बेड वाले केंद्र के लिए कुल 5 लाख 92 हजार रुपये (5 लाख आवास व व्यवस्था हेतु तथा 92 हजार भोजन हेतु) और 60 बेड वाले केंद्र के लिए कुल 8 लाख 32 हजार रुपये (6.50 लाख आवास व व्यवस्था हेतु तथा 1.82 लाख भोजन हेतु) निर्धारित किए गए हैं। प्रशासनिक स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही रोकने के लिए सख्त निगरानी तंत्र बनाया गया है।

जिलाधिकारी द्वारा नामित नोडल अधिकारी और अपर/उप/सहायक श्रमायुक्त नियमित रूप से इन केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। भोजन वितरण और लाभार्थियों की संख्या में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए दैनिक उपस्थिति रजिस्टर के साथ-साथ जियो-टैग फोटो के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा।

जनगणना-2027 के प्रचार वाहन को डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

स्व-गणना के लिए 30 नवंबर तक मिलेगा मौका, एक दिसंबर से शुरू होगी जनसंख्या गणना

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनगणना-2027 के व्यापक प्रचार-प्रसार और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने प्रचार-प्रसार वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को स्व-गणना अभियान और जनगणना-2027 की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देगा। इसके



माध्यम से आमजन को बताया जाएगा कि स्व-गणना की प्रक्रिया 30 नवंबर तक चलेगी। इसके बाद उत्तर प्रदेश में एक दिसंबर से चार जनवरी तक जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। वहीं पांच से नौ जनवरी तक पुनरीक्षण कार्य संपन्न होगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने जनपदवासियों से अपील की कि वे निर्धारित अवधि में स्व-गणना प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लें। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसकी सफलता के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता और प्रशासन को सहयोग देना आवश्यक है।

स्वदेशी मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में आएगी क्रांति, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉक्टर बन सकेंगे आंत्रप्रेन्योर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। योगी सरकार में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) के डॉक्टर अब इलाज और चिकित्सा शिक्षा के साथ स्वदेशी तकनीक एवं हेल्थकेयर स्टार्टअप के विकास की दिशा में भी आगे बढ़ पाएंगे। उत्तर प्रदेश में पहली बार इसकी शुरूआत करते हुए ग्रेटर नोएडा स्थित गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए भारत सरकार की राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति-2019 को अपनाने का निर्णय लिया है। इस पहल के साथ राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने वाला प्रदेश का पहला सरकारी मेडिकल संस्थान बन गया है। खास बात यह है कि यह निर्णय अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली की ओर से फैकल्टी आंत्रप्रेन्योरशिप पॉलिसी प्रस्तुत किए जाने के लगभग एक सप्ताह बाद आया है। योगी सरकार के कार्यकाल में मेडिकल शिक्षा को नवाचार और उद्यमिता से जोड़ने की यह पहल प्रदेश के हेल्थकेयर सेक्टर में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। मेडिकल विद्यार्थियों और डॉक्टरों को मिलेगा स्टार्टअप का अवसर राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति का उद्देश्य मेडिकल विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों, डॉक्टरों और शोधकताओं को अपने विचारों, शोध एवं क्लीनिकल अनुभव को तकनीकी नवाचार और स्टार्टअप में बदलने के लिए संस्थागत अवसर उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से अनुसंधान के व्यावसायीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण, तकनीकी उद्यमिता और स्वदेशी मेडिकल डिवाइस के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

इस पहल से डॉक्टरों को केवल मेडिकल तकनीक के उपयोगकर्ता के बजाय उसके विचार, डिजाइन, विकास और क्लीनिकल वैलिडेशन में सक्रिय भागीदार बनने का अवसर मिलेगा। अस्पतालों में इलाज के दौरान सामने आने वाली समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान के लिए डॉक्टरों के साथ इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों को जोड़ने पर जोर रहेगा।

यूपी के 65 हजार होमगार्ड परिवारों को योगी सरकार का बड़ा तोहफा, अब आयुष्मान की तर्ज पर होगा 5 लाख तक मुफ्त इलाज

लखनऊ। प्रदेश के होमगार्ड स्वयंसेवकों, अवैतनिक अधिकारियों और उनके आश्रितों को अब प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होमगार्ड विभाग में पहले से संचालित कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था को शुक्रवार को 'मुख्यमंत्री होमगार्ड्स कैशलेस चिकित्सा योजना' नाम दिया है। होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने बताया कि योजना के तहत प्रति परिवार प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के उपचार की करीब 65 हजार परिवारों को सुविधा मिलेगी। इसके लिए स्टेट एजेंसी फार



कांप्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) के माध्यम से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत राजकीय अस्पतालों और साचीज से संबद्ध निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज कराया जा सकेगा।

योजना का लाभ होमगार्ड स्वयंसेवकों और अवैतनिक अधिकारियों को केवल सेवाकाल के दौरान ही मिलेगा। सेवा समाप्त होने के बाद वे इस सुविधा के पात्र नहीं होंगे। सेवा समाप्ति के साथ ही उन्हें जारी आयुष्मान कार्ड भी निरस्त कर दिया जाएगा। इससे प्रदेश के होमगार्ड जवानों और उनके परिवारों को गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक राहत मिलेगी।

कम उम्र में ऑनलाइन टर्म प्लान चुनने के लाभ

पहला वेतन या पहली आमदनी हमारे जीवन की चंद बेहद खूबसूरत स्मृतियों में से एक है। हम अपनी पहली कमाई से अपने निकट और प्रिय लोगों के लिए उपहार खरीदते हैं। लेकिन हमारी कमाई की शुरुआत अपने परिवार के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की शुरुआत का प्रतीक भी है। हम अपने सहेजे गए सपनों को साकार करने के लिए बचत या निवेश की योजना बनाना शुरू करते हैं, जैसे एक खूबसूरत अपना घर, या फिर छुट्टियां बिताने की प्लानिंग। इसी स्तर पर हमें एक ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति (जैसे कि मौत) को टालने और सोचने की जरूरत है जहां कमाई का यह स्रोत अचानक बंद हो जाता है? क्या हम अपने परिवार को ऐसी स्थिति में छोड़ना चाहेंगे, जहां उन्होंने न केवल हमें, बल्कि अपनी कमाई और आजीविका का स्रोत भी खो दिया हो? बचत कभी भी आकस्मिकता को कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी और जब आप कमाना शुरू करते हैं, ठीक तब से ही जीवन बीमा कवर होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

एक उदाहरण देखते हैं: 5000 रुपए की मासिक बचत 8 फीसदी ब्याज के साथ आपको 50 लाख रुपए के तौर पर वापस मिले, इसके लिए लगभग 25 साल लगेंगे, हालांकि दूसरी तरफएक टर्म कवर के लिए 5000 रुपए के सालाना प्रीमियम पर आप अगले 35 वर्षों के लिए तुरंत 50 लाख रुपए के बीमा के लिए कवर किए जाते हैं। सटीक प्रीमियम राशि में



विभिन्न कंपनियों के बीच कुछ बदलाव हो सकता है, यह कुछ अन्य मापदंडों पर भी निर्भर करता है जैसे लिंग, धूम्रपान करने की स्थिति, स्वास्थ्य की स्थिति आदि। टर्म कवर की लागत, जिसे प्रीमियम भी कहा जाता है, उसमें आपकी उम्र के साथ वृद्धि भी होती है। छोटी उम्र में टर्म कवर हासिल करने की प्रक्रिया भी आसान है क्योंकि कम उम्र में बीमा कंपनियों द्वारा मेडिकल टेस्ट की आवश्यकता नहीं होती है। इसी क्रम में कुछ विशेषताओं, मापदंडों को जानना महत्वपूर्ण है, जो आपके निर्णय को अधिक सार्थक बना सकते हैं।

मुझे कितनी रकम का कवर खरीदना चाहिए? - एक आम नियम यह है कि बीमा की रकम आपकी वार्षिक आय की लगभग 10-15 गुना होनी चाहिए, क्योंकि बीमा राशि से आपकी नियमित आय को रिप्लेस करने की उम्मीद की जाती है।

आपका कवर कितने समय तक चलना चाहिए? - आपको अपने कामकाजी जीवन समय के बारे में सोचना चाहिए जो आम तौर पर 60 साल की उम्र तक पहुंचने तक होता है, इसलिए अगर कवर खरीदते समय आपकी उम्र 28 साल हो, तो आपका कवर 32 साल का होना चाहिए।

अतिरिक्त कवर - जीवन बीमाकर्ता कुछ ऑप्शंस/राइडर्स की अनुमति दे रहे हैं जिन्हें आप इस सुरक्षा को व्यापक बनाने के लिए सोच सकते हैं, उदाहरण के लिए क्रिटिकल इलनेस राइडर (जिसमें इस राइडर के तहत आने वाली किसी भी बड़ी बीमारी से पीड़ित होने पर दावा राशि का भुगतान किया जाता है), एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट (दुर्घटना के कारण मृत्यु होने पर अतिरिक्त लाभ का भुगतान किया जाता है) आदि। इन अतिरिक्त ऑप्शंस/ राइडर्स का लाभ उठाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। बीमा खरीदना बेहद सरल है और किसी भी अन्य खरीद की तरह इसे भी ऑनलाइन हासिल किया जा सकता है। जिन्हें आप कंपनी या उत्पाद को अंतिम रूप देने से पहले अपनी वेबसाइट या एग्रीगेटर्स की वेबसाइट पर जाकर आसानी से तुलना कर सकते हैं।

अभिजीत गुलानिकर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस

भारत की महिलाएं अपने खुद के स्वास्थ्य को क्यों नहीं देतीं प्राथमिकता

18 वर्षीय बेटी आलिया कहती है, मुझे अपनी मां से सबसे ज्यादा प्यार है, वह निस्संदेह मुझे और मेरे भाई को हमेशा किसी और चीज से पहले रखती है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए अपने रास्ते से बाहर चली जाती हैं कि हमें कुछ भी समझौता करने की जरूरत नहीं है, भले ही इसका मतलब खुद को या उसकी जरूरतों को वापस लेना हो। जब बेंगलुरु की इस कामकाजी मां शालिनी को पहली बार एक साल पहले सीने में दर्द होने लगा, तो उसने तनाव को एक कारण माना। प्रारंभ में, दर्द कम घटनाओं में दुर्लभ था, लेकिन फिर यह अधिक से अधिक लगातार हो गया। मैंने तब इसे गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन एक दिन कार्यालय में, दर्द बढ़ गया और प्रतिकूल हो गया। उसके सहकर्मियों ने इन-हाउस डॉक्टर को बुलाया जिसने उसे उचित चिकित्सा हस्तक्षेप के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाने की सिफारिश की। अस्पताल में डॉक्टरों ने तत्काल निदान किया जिससे पता चला कि उसे दिल का दौरा पड़ रहा है। सौभाग्य से, इसने अस्पताल में तत्काल और त्वरित उपचार किया। आज, शालिनी परिवार के साथ एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए वापस आ गई है। शालिनी कहती हैं, मेरा मानना है कि यह अहसास का पल था, जिसे मुझे सेहत का ज्यादा ख्याल रखना था। यह मेरे स्वास्थ्य और मेरे बच्चों के भविष्य में एक निवेश था। इसका एक सामान्य उदाहरण यह तथ्य है कि भले ही हर साल अधिक महिलाएं दिल की बीमारी से मरती हैं, बहुत कम महिलाओं को सभी स्टेंट, एंजियोप्लास्टी और बाईपास सर्जरी प्राप्त होती हैं।

आमतौर पर जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाएं हर समय मल्टीटास्क करती हैं। दुर्भाग्य से, वे अपने स्वास्थ्य के बारे में बहुत सतर्क नहीं हैं। महिलाएं गृहिणी के रूप में और कार्यबल में कर्मचारियों के रूप में परिवार की सहायता प्रणाली हैं। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार, कुल उत्तरदाताओं में से 16 फीसदी किसी भी परीक्षण के लिए नहीं गए जबकि 63 फीसदी केवल स्वास्थ्य जांच के लिए गए, यदि वे अस्वस्थ थे। यह भी पता चला कि केवल 39 फीसदी महिलाओं को किसी भी स्वास्थ्य कवर द्वारा कवर किया गया था। जिन लोगों का बीमा नहीं किया गया था, उनमें से 53 फीसदी ने कभी भी हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने का विचार नहीं दिया। सर्वेक्षण ने यह भी संकेत दिया कि 80 फीसदी से अधिक पुरुषों और महिलाओं ने साक्षात्कार में माना कि ब्रेडविनर को मुख्य रूप से स्वास्थ्य और जीवन से संबंधित खतरों के खिलाफ बीमा किया जाना चाहिए।

इस तेज-तर्रार जीवनशैली में महिलाएं अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज करती हैं, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देती है। कई महिलाएं कुपोषण, मोटापा, मधुमेह, एनीमिया, चयापचय संबंधी विकार, गठिया और दिल से संबंधित बीमारियों, कैंसर, गर्भकालीन मधुमेह, प्रजनन स्वास्थ्य, अवसाद आदि जैसी बीमारियों से जूझ रही हैं। ऐसा अनुमान है कि भारत में लगभग 20-40: मातृ मृत्यु दर है। मौतें एनीमिया के कारण होती हैं। आज, महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की अधिक आवश्यकता है क्योंकि पूरा घर उसके चारों ओर घूमता है। महिलाओं के लिए जितना संभव हो सके स्वस्थ रहना महत्वपूर्ण है, चाहे वह अपने या अपने परिवार के लिए हो। सबसे पहले, एक महिला को खुद के लिए समय निकालना चाहिए। दूसरे, एक उचित संतुलित और मिश्रित आहार खाने पर जोर देना बहुत आवश्यक है। तीसरा, लेकिन कम से कम, उचित मात्रा में व्यायाम करना महत्वपूर्ण है।

अनुराधा श्रीराम, आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस

रोस्टेड ब्रोकली



सामग्री

- 250 ग्राम ब्रोकली
- काली मिर्च पाउडर
- 2 चम्मच भूनी हुई मूंगफली
- 2 चम्मच रिफाइन्ड तेल
- 1 लहसुन की कली
- 2 लाल मिर्च
- नमक स्वादानुसार

विधि

ब्रोकली के छोटे-छोटे फूल काट लें। उसमें अदरक और लाल मिर्च डाल दें। एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें कटा हुआ अदरक डालकर छौंक लगाएं। अब इसमें कटा हुआ ब्रोकली, लाल मिर्च डालें और नमक डाल दें। इसे तब तक फाई करें जब तक ब्रोकली हल्की पक न जाए। फ्लेम को हाई रखें ताकि ब्रोकली क्रंची बनी रहे। रोस्टेड मूंगफली को इसमें जालकर चलाएं और काली मिर्च मिला लें। इसे गर्मागर्म सर्व करें।

शिमला मिर्च थेपला



सामग्री

- 1 बड़ा कप आटा
- 1/2कप दही
- 1/4कप बारीक कटी लाल शिमला मिर्च
- 1/4 कप मैश किया पनीर
- 1 चम्मच बारीक कटा अदरक
- 1/4चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च
- 1 बड़ा चम्मच कटी हरी धनिया पत्ती
- नमक स्वादानुसार
- 1/2 चम्मच अनारदाना पाउडर
- तेल आवश्यकतानुसार।

विधि

आटे में एक चम्मच तेल व शेष सभी सामग्री मिला लें। आवश्यकतानुसार पानी डालते हुए नरम गूंथ लें। 10 मिनट के लिए ढंककर रख दें। अब तैयार आटे की पेड़ियां बनाएं। प्रत्येक पेड़ी को बेलकर थेपले का आकार दें। तवा गरम करें। थेपले को तवे पर डालकर चारों ओर तेल छोड़ते हुए धीमी से तेज आंच पर दोनों ओर से सेंकें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 4063

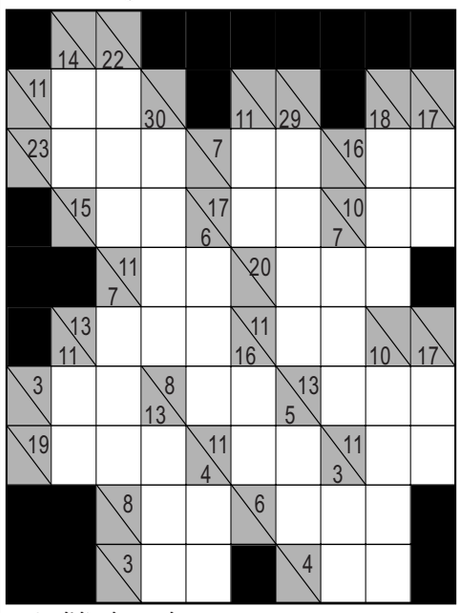

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11/7	1	2	3	5
1	1+2+3+4+5+6=21			
2	1+2+3+4+5+7=22			
4	3+5+6+7+8+9=38			
	4+5+6+7+8+9=39			

काकुरो - 4062 का हल

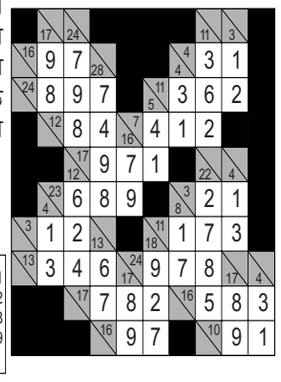

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4063

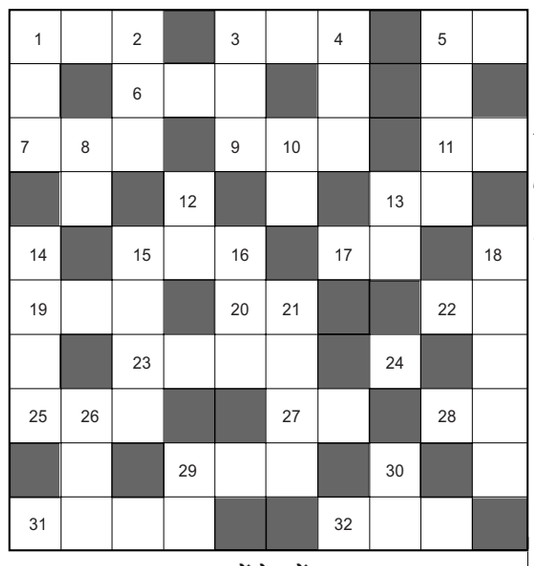

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4062

पि	या	का	घ	र		ह	थ	क	ड़ी
ता	र		रौं		दो	स्ती		न्या	
	ना	खु	दा		बा		अं	दा	ज
ह		श		कुं	द	न		न	
म	ज	बु	र		न	ज	र		म
सा	या		त	ब्बू		र		डॉ	न
या		आ	न		कि	ना	र		च
	गै	र		मै	ला		म	वा	ली
प्या		षा	पी			र	जा		
सा	ग	र		र	खी		ने	षा	ल

सूडोकु -4063

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4062 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 4063

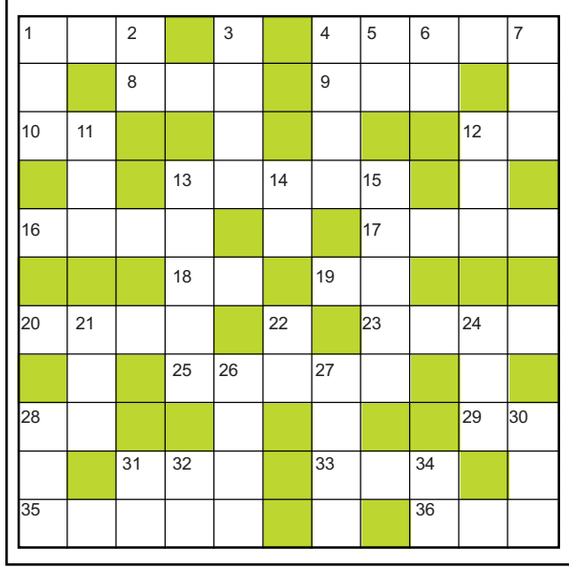

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -4062 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौं			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	खु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
खु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज़	न



कार्तिक की नई फिल्म 'कालिया' का एलान

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर एक्टर ने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। कार्तिक ने अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है, जिसका नाम 'कालिया' है। इस बार एक्टर रोमांस या कॉमेडी करते नहीं, बल्कि राक्षसों की दुनिया में कदम रखते नजर आएंगे। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और डोपामाइन स्टूडियोज के बैनर तले बनने वाली यह फिल्म एक मॉन्स्टर थ्रिलर होगी।

कौन करेगा 'कालिया' का निर्देशन

कार्तिक की इस नई फिल्म का एलान उनके जन्मदिन के मौके पर एक डरावने वीडियो के साथ किया गया। वीडियो शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, 'श्रीकृष्ण ने उसे दूर भेज दिया था। हम इंसानों ने उसे वापस बुला लिया।' इस एक लाइन ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म का निर्देशन संदीप मोदी करेंगे, जो इससे पहले 'द नाइट मैनेजर' और 'आर्या' जैसी सीरीज का निर्देशन कर चुके हैं।

क्या होगी 'कालिया' की कहानी

'कालिया' की कहानी भारतीय लोककथाओं और पौराणिक मान्यताओं से प्रेरित होगी। फिल्म में देश के अलग-अलग हिस्सों में पीढ़ियों से चली आ रही कहानियों और विश्वासों को आधार बनाकर एक डरावनी दुनिया तैयार की जाएगी। मेकर्स इस फिल्म में मॉन्स्टर थ्रिलर के रोमांच को भारतीय संस्कृति और पारंपरिक कहानियों के साथ जोड़ने की कोशिश करेंगे। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ धर्मा प्रोडक्शंस भी एक नए जॉनर में कदम रखने जा रहा है। अब तक रोमांटिक, फैमिली ड्रामा और कमर्शियल फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले इस प्रोडक्शन हाउस की यह पहली मॉन्स्टर थ्रिलर होगी। फिल्म को बड़े पर्दे के लिए तैयार किया जा रहा है, ताकि दर्शकों को एक अलग और रोमांचक सिनेमाई अनुभव मिल सके।

'कालिया' निर्देशक संदीप मोदी के लिए भी काफी खास है। 'द नाइट मैनेजर' और 'आर्या' जैसी सीरीज के जरिए अपनी पहचान बनाने वाले संदीप अब पहली बार किसी हिंदी फिल्म के साथ सिनेमाघरों में दस्तक देंगे। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ मिलकर वह एक ऐसी दुनिया रचने जा रहे हैं, जो हिंदी सिनेमा में उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव होगी। फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और डोपामाइन स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहे हैं। इसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा, मारिज्के डी'सूजा और कार्तिक आर्यन हैं। फिल्म 5 मई, 2028 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कार्तिक आर्यन का वर्कफ्रंट

कार्तिक आर्यन के पास आने वाले दो साल के लिए फिल्मों की लंबी लिस्ट है। एक्टर लगातार अलग-अलग जॉनर की फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने नए अंदाज में आने की तैयारी कर रहे हैं। कार्तिक की अगली फिल्मों में फैंटेसी कॉमेडी 'नागजिला: नाग लोक का पहला कांड' शामिल है। यह फिल्म 12 फरवरी, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा वह श्रीलीला के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसकी रिलीज डेट 30 अप्रैल, 2027 तय की गई है। वहीं, कबीर खान के निर्देशन में बन रही फिल्म 'लड़ाकू' भी कार्तिक की अपकमिंग फिल्मों में शामिल है। रियल लाइफ घटनाओं से प्रेरित इस ड्रामा फिल्म के जरिए कार्तिक बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू करेंगे। फिल्म 18 जून, 2027 को रिलीज होगी और इसे बिरला स्टूडियोज, कबीर खान एंटरटेनमेंट और डोपामाइन स्टूडियोज मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा कार्तिक के पास 'कैप्टन इंडिया' भी है। शिमित अमीन के निर्देशन में बन रही यह एविएशन ड्रामा फिल्म एक वास्तविक रेस्क्यू मिशन से प्रेरित है। इसमें कार्तिक एक ऐसे पायलट की भूमिका निभाएंगे, जो लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एक बड़े इवैक्यूएशन ऑपरेशन की अगुवाई करता है। फिल्म 13 अगस्त, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



हिंदी सिनेमा में कभी नहीं मिला साउथ जैसा सम्मान

शादी और बच्चों की परवरिश के लिए फिल्मों से लंबा ब्रेक लेने वाली एक्ट्रेस समीरा रेड्डी ने इसी साल अप्रैल में संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' से बड़े पर्दे पर वापसी की थी. इन दिनों वह गोवा में अपने दोनों बच्चों के साथ रहती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर अपने मजेदार और बिंदास अंदाज के जरिए हमेशा फैंस से जुड़ी रहती हैं. इसी बीच पर्दे पर लौटने के बाद से ही समीरा ने अपने फिल्मी सफर और बॉलीवुड-साउथ इंडस्ट्री के फर्क पर खुलकर बात की है.इंटरव्यू में समीरा रेड्डी ने बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के फर्क पर खुलकर अपनी राय रखी. चिरंजीवी, जूनियर एनटीआर, सूर्या, अजित और मोहनलाल जैसे बड़े सितारों के साथ काम कर चुकीं समीरा ने साउथ के दिनों को याद करते हुए कहा,

एक्ट्रेसेस के काम के घंटों पर क्या बोलीं समीरा

दीपिका पादुकोण के बयान के बाद इंडस्ट्री में नई मां बनने वाली एक्ट्रेसेस के वर्किंग आवर्स (काम के घंटों) को लेकर छिड़ी बहस पर भी समीरा ने अपनी राय रखी. उन्होंने बताया कि मुंबई में न रहने के कारण काम जल्दी निपटाने के लिए उन्होंने लगातार और एक्स्ट्रा शिफ्ट में भी काम किया है. हालांकि, उन्होंने नई मांओं की चुनौतियों को भी समझा.

संजय दत्त की वजह से संभव हो पाया कमबैक

फिल्मों से दूर रहने और फिर वापसी करने की वजह बताते हुए समीरा ने संजय दत्त की जमकर तारीफ की. उन्होंने बताया कि गोवा में अपने बच्चों की देखभाल में बिजी रहने के कारण हफ्तों तक घर से दूर रहकर शूटिंग करना उनके लिए मुश्किल था.



हमारी फिल्म ऑस्कर में नहीं गई, कोई बात नहीं, मेरे लिए दर्शकों का प्यार कहीं ज्यादा बड़ा है

अभिनेत्री शरवरी की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' का ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चयन नहीं हुआ है। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक फिल्म भारत की ओर से ऑस्कर में भेजे जाने की मजबूत दावेदारों में शामिल थी। हालांकि, आखिर में मराठी फिल्म 'गोंधल' को भारत की आधिकारिक एंट्री के लिए चुना गया।

अगर हमारी फिल्म ऑस्कर में जाती...

हर साल फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ऑस्कर के इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक फिल्म भेजता है। इस बारे में बातचीत में शरवरी ने कहा, 'हमारे लिए कोई भी जीत बड़ी जीत है। यह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि किस फिल्म को चुना गया है। यह कोई रेस नहीं है। 'गोंधल' एक शानदार फिल्म है। मैंने खुद यह फिल्म देखी है। यह एक मराठी फिल्म है और मुझे इस पर भी बहुत गर्व है। यह एक बेहतरीन फिल्म है, जिसमें दुनिया को बताने के लिए बहुत कुछ है। यह बहुत अच्छी बात है कि इस फिल्म को आगे बढ़ने का मौका मिला है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर हमारी फिल्म ऑस्कर में जाती, तो वह भी बहुत अच्छी बात होती। इसमें बुरा क्या होता? लेकिन इस बात को लेकर हमारे मन में कोई नाराजगी नहीं है।'

दुर्भाग्य से इसकी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही

शरवरी ने मैं वापस आऊंगा पर बात करते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से इसकी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही थी। कई बार लोगों को लगता था कि यह ऐसी फिल्म नहीं है, जिसे सिनेमाघरों में रिलीज होना चाहिए। लेकिन आखिरकार यह फिल्म बनकर सामने आई। इसके लिए बहुत हिम्मत की जरूरत थी। मुझे लगता है कि यह इम्तियाज सर की सोच और उनका विजन था। दर्शकों ने जिस तरह से हमें प्यार दिया, वह बहुत खास था। इसलिए अगर हमारी फिल्म ऑस्कर में नहीं गई, तो भी कोई बात नहीं। मेरे लिए दर्शकों का प्यार किसी भी दूसरी चीज से कहीं ज्यादा बड़ा है।'

अब आयुष्मान खुराना के साथ आएंगी नजर

शरवरी अब सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ अभिनेता आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। सूरज आर. बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक पारिवारिक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें आयुष्मान और शरवरी के अलावा अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन और स्वानंद किरकिरे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बता दें कि 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।





एक्शन ड्रामा सीरीज 'काला' में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही सीरीज 'काला' में अभिनय करते नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक सीरीज की शूटिंग का काम जारी है। यह किरदार एक्टर के बाकी किरदारों से काफी अलग होगा। फिल्म की शूटिंग पुणे में हो रही है। सिद्धांत चतुर्वेदी आगामी दिनों में एक एक्शन ड्रामा सीरीज में दिखाई देंगे। मिली जानकारी के मुताबिक वह जल्द भी सीरीज 'काला' से फैंस का मनोरंजन करेंगे। इस सीरीज की कहानी झारखंड के कोयला माफिया पर आधारित है। इसकी शुरुआत 1960 के दशक से होगी। कहानी में कई दशकों के दौरान कोयले के कारोबार में आए बदलाव, अपराध और उससे जुड़ी राजनीति को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में वह अहम भूमिका निभाई रहे हैं। सीरीज का निर्देशन अभिषेक चौबे कर रहे हैं। वहीं इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है।

विकास बहल के साथ दूसरी फिल्म

सिद्धांत ने हाल ही में विकास बहल की फिल्म 'बोलो बोलो बोलो' का ब्रिटेन में शूटिंग खत्म की है। विकास के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में सिद्धांत के साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन नजर आएंगी। 'बोलो बोलो बोलो' की कहानी 1990 के दशक के ब्रिटेन की है। फिल्म में उस दौर में पंजाबी संगीत के बढ़ते चलन को दिखाया जाएगा। सिद्धांत इसमें ढोल बजाने वाले कलाकार की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, अलिजेह अग्निहोत्री गायिका के किरदार में हैं। जिम्मी शेरगिल और मोना सिंह भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की तैयारी है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे एक्टर

इस सब के अलावा अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी दिग्गज फिल्मकार वी. शांताराम की जीवनी पर बन रही फिल्म में भी नजर आएंगे।। इसमें वह वी. शांताराम की भूमिका निभाएंगे। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट या बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई।



'किंग' से कोई क्लैश नहीं चाहते हैं सलमान खान

सलमान खान अपनी फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज के लिए 4 दिसंबर की डेट चुन चुके हैं। वहीं, शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। दोनों फिल्मों के बीच संभावित टकराव की चर्चाओं पर सलमान ने कहा कि वह शाहरुख और उनकी बेटी सुहाना की फिल्म से मुकाबला नहीं करना चाहते थे। हैदराबाद में एक शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने अपनी रिलीज डेट चुनने की वजह भी बताई। सलमान ने कहा...'शाहरुख 24 तारीख को आ रहे हैं। मैं शाहरुख-सुहाना के साथ कोई क्लैश नहीं चाहता। हालांकि, मुझे 'एवेंजर्स: डूम्सडे' और 'ड्यून' जैसी हॉलीवुड फिल्मों से मुकाबले को लेकर कोई चिंता नहीं है।' सलमान के मुताबिक, इन फिल्मों के साथ क्लैश करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। सलमान ने कहा कि 26 जनवरी की डेट भी अच्छी थी, लेकिन उस दौरान संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' रिलीज हो रही है, वह उनसे भी क्लैश नहीं चाहते थे। इसके बाद मार्च में खुद सलमान की ही 'मॉन्स्टर' भी आनी है। वहीं, 4 दिसंबर को श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' भी रिलीज हो रही है।

'बिरजू लोहार' के बाद अलग अंदाज में दिखेंगे मोहित

टाइगर की आने वाली इस फिल्म में 'मिर्जापुर द मूवी' के एक्टर की एंट्री हो गई है, जो विलेन के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' में बिरजू लोहार का किरदार निभाने वाले अभिनेता मोहित मलिक भी टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'वज्र' का हिस्सा बन गए हैं। खास बात यह है कि वह फिल्म में टाइगर श्रॉफ के खिलाफ विलेन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। मोहित मलिक और टाइगर श्रॉफ पहली बार किसी फिल्म में साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म में मोहित के किरदार को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि उनकी भूमिका कहानी के लिहाज से काफी अहम होगी। फिल्म की शूटिंग जापान में भी किए जाने की उम्मीद है। मोहित मलिक इससे पहले अपने चर्चित किरदार बिरजू लोहार को लेकर सुर्खियों में रहे थे। अब 'वज्र' में वह एक अलग तरह का किरदार निभाने जा रहे हैं। इस बार वह पर्दे पर नेगेटिव भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि 'वज्र' में मोहित का किरदार काफी दिलचस्प है। टाइगर श्रॉफ के सामने विलेन बनकर उन्हें एक अलग अंदाज में खुद को पेश करने का मौका मिलेगा।

फिल्म की कहानी एक्शन पर आधारित है। राम माधवानी के निर्देशन में बन रही 'वज्र' को लेकर दर्शकों के बीच अभी से एक्साइटमेंट है। वहीं, महावीर जैन इस फिल्म के निर्माता हैं। फिलहाल 'वज्र' की रिलीज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

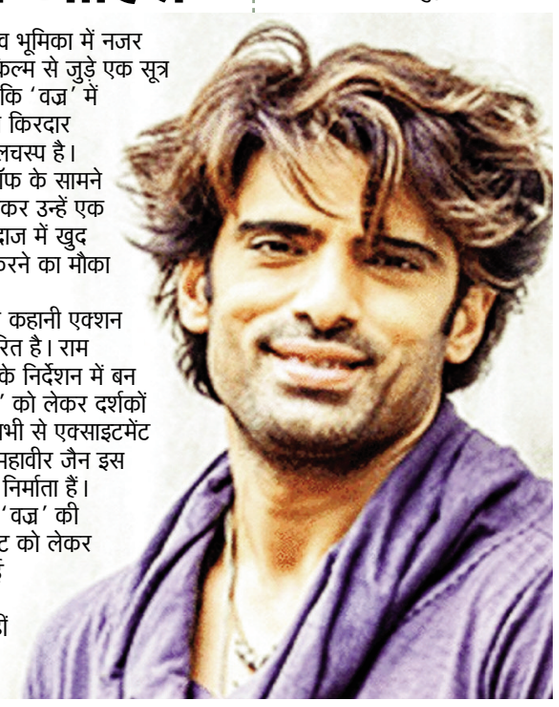

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।